राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

पहाड़ों पर बर्फबारी ने मैदानों में बढ़ाई ठिठुरन, पंजाब-हरियाणा में शीतलहर का अलर्ट

केरल में फिर धंसा नेशनल हाईवे, अचानक चलती गाडियां हो गई आउट ऑफकंट्रोल

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 337 | रायपुर | रविवार 07 दिसंबर 2025 | विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

इंडिगो फ्लाइट संकट के बीच रेलवे ने 37 प्रीमियम ट्रेनों में 116 कोच बढ़ाए

नई दिल्ली भारतीय रेलवे ने बड़े पैमाने पर फ्लाइट कैंसल होने के बाद यात्रियों की मांग बढ़ने पर देश भर में कुल 37 ट्रेनों में 116 एक्स्ट्रा कोच जोड़े हैं, जो 114 से अधिक एक्स्ट्रा ट्रिप चला रही हैं. रेल मंत्रालय के अनुसार रेलवे ने पूरे नेटवर्क में आसान यात्रा और रहने की जगह की सही उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए बड़े कदम उठाए हैं. दक्षिणी रेलवे ने सबसे अधिक बढ़ोतरी की है, जिससे 18 ट्रेनों में कैपेसिटी बढ़ी है. अधिक डिमांड वाले रूट पर एक्स्ट्रा चेयर कार और स्लीपर क्लास कोच लगाए गए हैं. रेलवे अधिकारी ने कहा कि 6 दिसंबर से लागू किए गए इन बदलावों से दक्षिणी इलाके में रहने की कैपेसिटी काफी बढ़ गई है.

उत्तरी रेलवे ने आठ ट्रेनों में 3एसी और चेयर कार कोच जोड़े हैं. मंत्रालय ने कहा कि आज से लागू किए गए इन उपायों से अधिक सफर वाले नॉर्दर्न कॉरिडोर पर उपलब्धता बढ़ेगी.

राजनीतिक तुष्टिकरण के लिए जोड़े गए शब्द- भाजपा सांसद

संविधान की प्रस्तावना से हटें सेक्युलर-सोशलिस्ट शब्द, सांसद ने राज्यसभा में पेश किया विधेयक

एजेंसी

राज्यसभा में भाजपा सांसद भीम सिंह द्वारा पेश किए गए प्राइवेट मेंबर बिल ने देश की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। इस बिल में संविधान की प्रस्तावना से 'सेक्युलर' और 'सोशलिस्ट' शब्द हटाने की मांग की गई है। सांसद सिंह का कहना है कि ये शब्द आपातकाल के दौरान बिना लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जोड़े गए थे और अब इन्हें हटाकर संविधान को उसके मूल रूप में लौटाना जरूरी है।

भाजपा सांसद भीम सिंह ने कहा कि मूल संविधान में ये दोनों शब्द शामिल नहीं थे और इन्हें 1976 में इंडिरा गांधी सरकार ने 42वें संशोधन के जरिए जोड़ा था। उनका आरोप है कि उस समय विपक्ष के सभी बड़े नेता जेल में थे और संसद में कोई खुली बहस नहीं हुई। सिंह का कहना है कि प्रस्तावना में ये शब्द जोड़ने का निर्णय मजबूरी और तत्कालीन राजनीतिक हितों को साधने के लिए किया गया था।

मूल संविधान में देश पहले से ही धर्मनिरपेक्ष : सांसद

डॉ. बीआर आंबेडकर के हवाले से सिंह ने कहा कि संविधान की संरचना ही देश को धर्मनिरपेक्ष बनाती है, इसलिए अलग से 'सेक्युलर' शब्द जोड़ना जरूरी नहीं था। उन्होंने कहा कि आंबेडकर ने स्पष्ट कहा था कि भविष्य की पीढ़ियों पर किसी एक आर्थिक या राजनीतिक विचारधारा को थोपना सही नहीं होगा, इसलिए 'सोशलिस्ट' शब्द भी आवश्यक नहीं था।

राजनीतिक तुष्टिकरण के लिए जोड़े गए शब्द- भीम सिंह

सांसद का दावा है कि सेक्युलर शब्द मुसलमानों को खुश करने और सोशलिस्ट शब्द तत्कालीन सोवियत संघ को खुश करने के लिए जोड़ा गया था। उनके अनुसार इससे केवल भ्रम बढ़ा है, जबकि संविधान खुद ही समानता, स्वतंत्रता और न्याय की गारंटी देता है। उन्होंने कहा कि शब्द हटाने से किसी मौलिक अधिकार या संवैधानिक प्रावधान पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

विपक्ष की प्रतिक्रिया और सांसद का जवाब - उन्होंने कहा कि विपक्ष इसे संविधान पर हमला बताएगा, लेकिन यह कदम संविधान को उसके असली रूप में वापस लाने का प्रयास है। सिंह ने सवाल उठाया कि क्या 1976 से पहले भारत धर्मनिरपेक्ष नहीं था? क्या नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री या खुद इंदिरा गांधी की सरकार सांप्रदायिक थी?

लोकसभा में बोले अरुण गोविल- देशभर की मस्जिदों में लगाए जाएं सीसीटीवी कैमरे

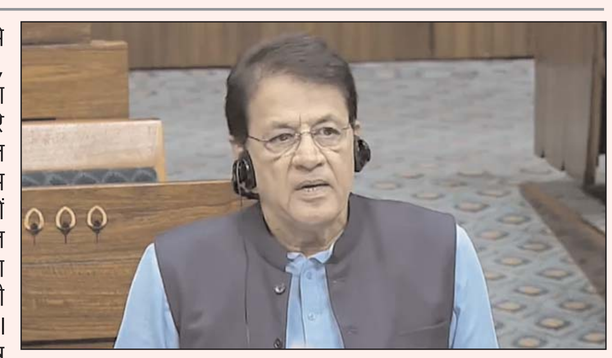

बृहस्पतिवार को अरुण गोविल ने लोकसभा में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय उठाया। उन्होंने कहा कि देशभर में मंदिर, चर्च, गुरुद्वारे, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल तथा अधिकांश सार्वजनिक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाते हैं। ये कैमरे सुरक्षा, पारदर्शिता तथा अपराध निरोधक व्यवस्था को मजबूत बनाते हैं और किसी भी अनहोनी की स्थिति में जांच व रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने चिंता जताई कि मस्जिदों में यह व्यवस्था लागू नहीं है, जबकि मस्जिदें भी सार्वजनिक स्थल हैं। सांसद ने कहा कि मस्जिदों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आते हैं। ऐसे में सुरक्षा मानकों का पालन करना उतना ही आवश्यक है, जितना अन्य सार्वजनिक स्थलों पर किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस्लाम धर्म के जन्मस्थान सऊदी अरब के पवित्र शहर मक्का और कई अन्य मुस्लिम देशों में मस्जिदों व मदरसों सहित धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा की दृष्टि से कैमरे लगाए जाना पूरी तरह सामान्य है। जब वहां सुरक्षा व्यवस्था को व्यापक रूप से अपनाया गया है तो भारत में भी आधुनिक सुरक्षा मानकों को लागू करने में संकोच नहीं होना चाहिए। सांसद अरुण गोविल ने सरकार से अनुरोध किया कि वह इस विषय पर गंभीरता से विचार करते हुए देशव्यापी सुरक्षा नीति तैयार करे। इसमें सभी सार्वजनिक धार्मिक स्थलों चाहे वह किसी भी धर्म से संबंधित हों, पर सीसीटीवी कैमरा प्रणाली को अनिवार्य किया जाए।

आत्मविश्वास से सराबोर भारत, बना वैश्विक अर्थव्यवस्था का 'ग्रोथ इंजन'

एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी ने 'एचटी लीडरशिप समिट' में कहा कि भारत वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच आत्मविश्वास से विकास इंजन के रूप में उभर रहा है, जो 8.2% की जीडीपी वृद्धि से प्रमाणित होता है। उन्होंने भारत को दुनिया के लिए विश्वास का स्तंभ और जोड़ने वाले सेतु के रूप में प्रस्तुत किया, जो बदलते भारत की सच्ची कहानी बयां करता है। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया अनिश्चितताओं से भरी है, भारत एक अलग लीग में दिखाई दे रहा है। 'एचटी लीडरशिप समिट' में प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आत्मविश्वास से भरा है; जब दुनिया आर्थिक सुस्ती की बात करती है, भारत विकास गाथा लिखता है। उन्होंने कहा कि जब विश्व में विश्वास का संकट है, तो भारत भरोसे का स्तंभ है; जब दुनिया टुकड़ों में बंटी है, तो भारत सेतु का काम करता है। प्रधानमंत्री ने स्टार्टअप 'स्काईरूट' का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ने देश में अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधार किये हैं, इसके युवा अब नये भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था का प्रमुख विकास इंजन बन रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि भारत में हो रहा परिवर्तन केवल संभावनाओं के बारे में नहीं है। यह बदलते जीवन, विकसित होती मानसिकता और एक नई दिशा में बढ़ते राष्ट्र की सच्ची कहानी है। आज हमारे संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस भी है। मैं सभी भारतीयों की ओर से उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। मोदी ने कहा कि आज हम ऐसे दौर में खड़े हैं जब इक्कीसवीं सदी का एक-चौथाई हिस्सा बीत चुका है। इन पच्चीस वर्षों में, दुनिया ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। इसने वित्तीय संकट देखे हैं। इसने एक वैश्विक महामारी का सामना किया है। इनमें से प्रत्येक स्थिति ने किसी न किसी रूप में वैश्विक समुदाय के लिए चुनौती पेश की है।

एस जयशंकर ने बड़ी चुनौतियों के लिए पाकिस्तानी सेना को ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली एजेंसी

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आतंकवाद से निपटने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई है। इसके अलावा, उन्होंने भारत के सामने खड़ी बड़ी चुनौतियों के लिए पाकिस्तानी सेना को जिम्मेदार ठहराया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एचटी लीडरशिप समिट में बातचीत में कहा, जब आप आतंकवाद को देखते हैं, जब आप ट्रेनिंग कैंप को देखते हैं, जब आप भारत के प्रति लगभग वैचारिक दुश्मनी वाली नीति देखते हैं, तो यह कहां से आती है? यह पाकिस्तानी सेना से आती है। मैं बस इतना कह सकता हूं कि आखिर में, पाकिस्तान की हालत को देखें और दोनों तरफ के अंतर और काबिलियत और प्रतिष्ठा को देखें। मुझे लगता है, हमें उनके बारे में बहुत ज्यादा नहीं सोचना चाहिए और खुद को उनसे जोड़कर नहीं देखना चाहिए। पाकिस्तान आर्मी चीफ असीम मुनीर को लेकर एस जयशंकर ने कहा, देखिए, कुछ मिलिट्री लीडर्स अच्छे होते हैं, तो कुछ नहीं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान और पीओके में आतंकी कैंप के खिलाफ भारत की लक्षित सैन्य कार्रवाई को लेकर उन्होंने बताया कि भारत एक ऐसे विशिष्ट ढांचे के तहत काम करता है, जिसमें स्पष्ट मानदंड और जिम्मेदारी मुख्य आधार होते हैं।

इंडिगो संकट पर केंद्र सरकार सख्त : कंपनी के सीईओ को हटाने की तैयारी

नई दिल्ली. एजेंसी

इंडिगो की उड़ानें रद्द होने से देशभर के हवाई अड्डों पर अफरा-तफरी मच गई है. हजारों यात्री फंसे हुए हैं, जिसकी वजह से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. खबर है कि केंद्र सरकार इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को हटाने पर विचार कर रहा है. पिछले पांच दिनों से एयरलाइन में चल रही भारी समस्याओं के बाद यह कदम सोचा जा रहा है.

सूत्रों के मुताबिक सरकार इंडिगो पर बड़ी कार्रवाई की तैयारी कर रही है. इसके तहत कंपनी के सीईओ पीटर एल्बर्स को हटाने की तत्काल मांग भी की जा रही है.साथ ही, एयरलाइन पर भारी आर्थिक जुर्माना लगाने की भी योजना है. जिसे इंडस्ट्री में अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई माना जा सकता है.

रविवार रात 8 बजे तक रिफंड देने का अल्टीमेटम मंत्रालय ने दी सख्त कार्रवाई की चेतावनी

इंडिगो पर भारी-भरकम पेनल्टी लगाने की तैयारी अधिकारियों के मुताबिक सरकार इंडिगो पर ऐसी बड़ी पेनल्टी लगाने की तैयारी में है, जो भविष्य के लिए एक मिसाल बन सके. एयरलाइन की ऑपरेशनल गड़बडियों की वजह से देशभर में बड़ी संख्या में उड़ानें देरी से चलीं, कई कैंसिल करनी पड़ीं जिसकी वजह से यात्रियों को भारी दिक्कतें झेलनी पड़ रही है.

उड़ानों की संख्या में कटौती पर भी विचार - बताया जा रहा है कि अधिकारी इंडिगो द्वारा संचालित उड़ानों की संख्या में कटौती करने पर भी विचार कर रहे हैं, जो देश की सबसे बड़ी एयरलाइन के खिलाफ अब तक की सबसे कड़ी कार्रवाई का संकेत है.सूत्रों के मुताबिक, इंडिगो के कई रूट्स पर उड़ानों की संख्या कम की जाएगी. एयरलाइन को सिर्फ उतनी ही फ्लाइट्स चलाने की अनुमति मिलेगी, जिनके लिए उसके पास पूरा और सक्षम क्रू उपलब्ध हो. दरअसल इंडिगो पर आरोप लग रहा है कि वह अपनी क्षमता से ज्यादा उड़ानें चला रही थी, जिससे संचालन में लगातार दिक्कतें आ रही हैं. जिसकी वजह से यह कदम उठाया जा रहा है. सरकार का मानना है कि ओवरस्ट्रेस्ड ऑपरेशंस ने ही इस बड़े ऑपरेशनल मेल्टडाउन को जन्म दिया जिसके कारण हजारों यात्रियों को तकलीफ उठानी पड़ी.

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन कर देश का पहला राज्य बना राजस्थान

जयपुर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और सहभागी बनाने की दिशा में राजस्थान ने एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित किया है। विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (SIR-2026) कार्यक्रम के तहत राज्य में मतदाता सूची का 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन सफलतापूर्वक पूरा किया गया है, जिससे राजस्थान देश का पहला राज्य बन गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने इस उपलब्धि को टीम राजस्थान की सामूहिक विजय बताते हुए कहा कि गांवों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक बीएलओ, सहायक कार्मिकों, पर्यवेक्षकों, एईआरओ, ईआरओ, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों ने अभूतपूर्व समर्पण और दक्षता के साथ कार्य कर यह उपलब्धि हासिल की है।

रूस में फैलेगा पतंजलि का साम्राज्य, MoU साइन

योग और भारतीय संस्कृति का बढ़ेगा प्रभाव

संवाददाता। नए प्रोजेक्ट पर कार्यारंभ की संभावना। घरेलू उपयोग की वस्तुएं खरीदने में व्यस्तता। आर्थिक समस्या से मुक्ति का दिन है। विपरीत परिस्थिति, अनुकूलता की ओर बढ़ेंगे। स्वामी रामदेव ने ज़ोर देकर कहा कि यह समझौता पूरे रूस में पतंजलि की स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर केंद्रित होगा। इसमें बढ़ती उम्र को रोकने और गंभीर बीमारियों का पहले से पता लगाने के उद्देश्य से अत्याधुनिक स्वास्थ्य तकनीकों की खोज हेतु सहयोगात्मक अनुसंधान की परिकल्पना की गई है। इस समझौता ज्ञापन में योग, आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देने को प्राथमिकता दी गई है, जो पहले से ही रूसी नागरिकों के बीच लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं। पतंजलि समूह और रूस सरकार के बीच दिल्ली में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। पतंजलि समूह की ओर से स्वामी रामदेव और भारत-रूस व्यापार परिषद के अध्यक्ष एवं रूसी वाणिज्य मंत्री सर्गेई चेरेमिन ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए।

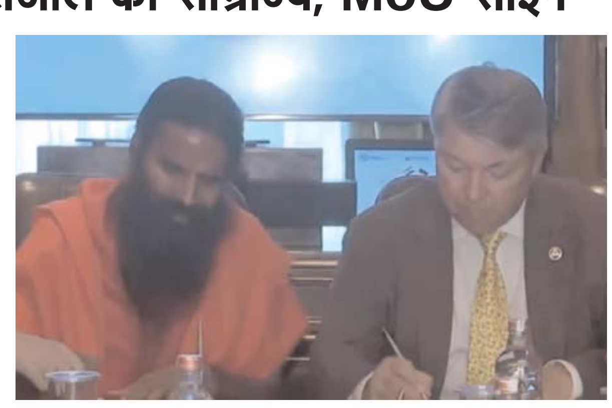

विदेश

बब्बर अकाली लहर और गुरप्रीत रेहल पर लगाया बैन

भारत के दबाव के आगे झुका ब्रिटेन, खालिस्तानी आतंकियों पर कसा शिकंजा

लंदन ,एजेंसी। भारत के लगातार कूटनीतिक दबाव का असर अब ब्रिटेन में साफ दिखने लगा है। ब्रिटिश सरकार ने खालिस्तानी आतंकवाद के खिलाफ एक ऐतिहासिक और कड़ा कदम उठाते हुए आतंकवादी संगठन बब्बर अकाली लहर और उससे जुड़े व्यक्ति गुरप्रीत सिंह रेहल पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। यह कार्रवाई 4 दिसंबर को की गई, जिसका मकसद ब्रिटेन की वित्तीय प्रणाली का दुरुपयोग कर रहे चरमपंथियों की कमर तोड़ना है। इसे भारत और ब्रिटेन के बीच आतंकवाद विरोधी सहयोग में एक नई और मजबूत शुरुआत माना जा रहा है, जिससे प्रतिबंधित संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल के नेटवर्क को गहरा झटका लगेगा।

ब्रिटेन सरकार ने काउंटर-टेररिज्म (सैंक्शंस) रेगुलेशंस 2019 के तहत यह बड़ी कार्रवाई की है। इसके तहत गुरप्रीत सिंह रेहल और बब्बर अकाली लहर की ब्रिटेन स्थित सभी संपत्तियों, फंड्स और आर्थिक संसाधनों को तत्काल प्रभाव से फ्रीज कर दिया गया है। इतना ही नहीं, रेहल से जुड़ी कंपनियों 'सेविंग पंजाब सीआईसी', 'वाइटहॉक कंसल्टेशंस लिमिटेड' और 'लोहा डिजाइन्स' पर भी प्रतिबंध लागू किए गए हैं। अब कोई भी ब्रिटिश नागरिक या संस्था इनके साथ किसी भी तरह का वित्तीय लेन-देन नहीं कर सकेगी। सरकार ने रेहल को किसी भी कंपनी का निदेशक बनने या प्रबंधन में शामिल होने से भी रोक दिया है। इन प्रतिबंधों का उल्लंघन करने वालों पर सात साल तक की जेल या 10 लाख पाउंड तक के भारी-भरकम जुर्माने का प्रावधान रखा गया है। यह पहली बार है जब ब्रिटेन ने अपने घरेलू आतंकवाद विरोधी कानून का इस्तेमाल विशेष रूप से खालिस्तानी मिलिटेंट ग्रुप्स की फंडिंग को रोकने के लिए किया है। गुरप्रीत सिंह रेहल और उसके संगठन पर गंभीर आरोप हैं कि वे भारत विरोधी गतिविधियों में लिप्त बब्बर खालसा इंटरनेशनल के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे थे। ब्रिटिश सरकार की जांच में पाया गया कि ये तत्व आतंकी समूहों के लिए भर्ती अभियान चलाने, फंड इकट्ठा करने, हथियारों और सैन्य सामग्री की खरीद में सहायता करने जैसी गतिविधियों में शामिल थे।

शांति वार्ता विफल : पाकिस्तान-अफगानिस्तान में फिर युद्ध जैसे हालात

कराची सीमा पर भीषण गोलीबारी; सैकड़ों परिवारों ने घर छोड़े

कराची , ,एजेंसी।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। शुक्रवार देर रात चमन (पाकिस्तान) और स्पिन बोल्डक (अफगानिस्तान) सीमा पर दोनों देशों के सुरक्षा बलों के बीच भारी गोलीबारी हुई। इस दौरान मोर्टार दागे गए और भारी हथियारों का इस्तेमाल किया गया, जिससे सीमावर्ती इलाकों में दहशत फैल गई। यह नया संघर्ष सऊदी अरब में दोनों देशों के बीच हुई शांति वार्ता के विफल होने के महज दो दिन बाद सामने आया है।

सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार शाम शुरू हुई फायरिंग ने सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों को हिला दिया।

रिपोर्टों के मुताबिक, अफगानिस्तान के स्पिन बोल्डक से पाकिस्तान की ओर और चमन से अफगानिस्तान की ओर लगातार गोलाबारी की गई। स्थिति बिगड़ने के कारण दोनों तरफ के सैकड़ों परिवारों को घर छोड़कर सुरक्षित जगहों पर पलायन करना पड़ा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि गोलीबारी इतनी तेज थी कि कई परिवार अपना सामान तक नहीं समेट पाए। हालांकि अभी तक दोनों पक्षों ने किसी प्रकार की जनहानि की पुष्टि नहीं की है, लेकिन हालात बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं। हमेशा की तरह, इस बार भी दोनों देशों ने झड़प के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया है। अफगान तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि पाकिस्तानी बलों ने कंधार के स्पिन बोल्डक जिले में पहले हमला किया, जिसके बाद अफगान बलों को जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। वहीं, पाकिस्तान सरकार ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि अफगान बलों की ओर से बिना कारण गोलीबारी की गई। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के प्रवक्ता मोशर्रफ जैदी ने कहा कि पाकिस्तान अपनी क्षेत्रीय संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध और सतर्क है। सीमा पर यह झड़प ऐसे समय में हुई है जब दोनों देशों के रिश्ते पहले ही नाजुक दौर में हैं। कतर और तुर्की के बाद सऊदी अरब में हाल ही में हुई शांति वार्ता भी बिना नतीजे के खत्म हो गई थी, हालांकि उस दौरान दोनों पक्षों ने संघर्ष विराम की बात जरूर दोहराई थी। गौरतलब है कि अक्टूबर में भी दोनों देशों के बीच भीषण संघर्ष हुआ था, जिसमें दर्जनों लोग मारे गए थे। इसे 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से सबसे घातक झड़प माना गया। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल आतंकवादी पाकिस्तान में हमले करने के लिए कर रहे हैं, जबकि काबुल इन आरोपों से इनकार करता है और कहता है कि वह पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा समस्याओं का जिम्मेदार नहीं है।

पाकिस्तान को आतंकवाद प्रायोजक देश घोषित करे अमेरिका

एजेंसी

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) के पूर्व अधिकारी माइकल रुबिन ने पाकिस्तान और अमेरिकी नीति पर बेहद कड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से दोस्ती रखने का अमेरिका के पास कोई तर्क नहीं है, क्योंकि यह देश आतंकवाद को बढ़ावा देता रहा है. रुबिन ने यह भी कहा कि पाकिस्तान को आतंकवाद प्रायोजक देश घोषित किया जाना चाहिए।

असीम मुनीर की गिरफ्तारी की मांग रुबिन ने पाकिस्तान के नए बने चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (CDF), फील्ड मार्शल असीम मुनीर के वॉइट हाउस दौरे पर भी सवाल उठाए. उन्होंने कहा कि अगर असीम मुनीर अमेरिका आते हैं, तो उन्हें सम्मानित करने के बजाय तुरंत

गिरफ्तार कर लेना चाहिए. उन्होंने कहा कि अमेरिका का पाकिस्तान जैसे देश को समर्थन देना बहुत बड़ी गलती है. रुबिन ने कहा- ÷अमेरिका के पाकिस्तान से दोस्ती के पीछे कोई रणनीतिक तर्क नहीं है. इसे आतंकवाद को स्पॉन्सर करने वाला देश घोषित कर देना चाहिए.÷

भारत के समर्थन की जरूरत

रुबिन ने कहा कि अमेरिका जैसी लोकतांत्रिक शक्ति को भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक साझेदार को मजबूत बनाना चाहिए, न कि पाकिस्तान जैसे देश का समर्थन करना चाहिए, जो लगातार आतंकवाद को बढ़ावा देता है।

विश्व मृदा दिवस पर नकटी गाँव में किसानों को मिला मिट्टी की सेहत का संदेश, प्रतियोगिताओं के परिणामों की घोषणा कार्यक्रम के दौरान की गई

रायपुर। अखिल भारतीय मृदा परीक्षण एवं फसल अनुक्रिया परियोजना, मृदा विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय, रायपुर द्वारा विश्व मृदा दिवस के उपलक्ष्य में ग्राम नकटी, धरमपुरा में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष विश्व मृदा दिवस की थीम ÷स्वस्थ शहरों के लिए स्वस्थ मिट्टी÷ थी जिसके माध्यम से किसानों, ग्रामीणों और छात्र-छात्राओं को मृदा स्वास्थ्य, संरक्षण तथा सतत कृषि के महत्व से अवगत कराया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. गौरव कुमार जाटव और डॉ. विवेक कुमार सिंघल द्वारा मिट्टी परीक्षण किट के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण से हुई। उन्होंने प्रतिभागियों को मिट्टी के नमूने एकत्रित करने की सही विधि, परीक्षण प्रक्रिया और घटकों की पहचान, परीक्षण रिपोर्ट की व्याख्या तथा संतुलित उर्वरक उपयोग के लाभ के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। किसानों ने इस प्रदर्शन को अत्यंत उपयोगी बताया और इसे अपनी खेती में अपनाने का संकल्प भी लिया।

विषय-आधारित प्रतियोगिताओं में बी.एससी. (कृषि) चतुर्थ वर्ष के ग्रामीण कृषि कार्यानुभव कार्यक्रम के छात्र तथा नकटी मिडिल स्कूल के बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिताओं के परिणामों की घोषणा कार्यक्रम के दौरान की गई, जिसमें रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान जानकी साफ़ को तथा द्वितीय स्थान सूरज पटेल एवं भावी को प्राप्त हुआ। पोस्टर प्रतियोगिता में उन्नति शेष, हर्षिता विश्वकर्मा एवं दीक्षा दीपक ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि द्वितीय स्थान गूंजा मरकाम को मिला। भाषण प्रतियोगिता में पूर्णेन्द्र कुमार वर्मा प्रथम तथा अनुष्का चौरसिया द्वितीय स्थान पर रहीं। सभी प्रतियोगिताओं का केंद्रीय विषय ÷स्वस्थ शहरों के लिए स्वस्थ मिट्टी÷ था जिससे प्रतिभागियों ने रचनात्मक ढंग से मृदा संरक्षण के संदेश को अभिव्यक्त किया।कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में डॉ. राकेश बनवासी, प्रमुख अन्वेषक-एस.टी.सी.आर. प्रोजेक्ट तथा डॉ आलोक तिवारी, प्रोफेसर मृदा विज्ञान ने मृदा संरक्षण, सतत कृषि पद्धतियाँ, पोषक तत्व प्रबंधन, जैविक खेती और रासायनिक उर्वरकों का संतुलित उपयोग जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उनके व्याख्यान ने उपस्थित किसानों को अपनी खेती को अधिक वैज्ञानिक और टिकाऊ बनाने के लिए प्रेरित किया।

मुख्य अतिथि एवं अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, रायपुर डॉ. आरती गुहे ने किसानों से वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाने और मृदा स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आग्रह किया। विभागाध्यक्ष डॉ. एल.के. श्रीवास्तव ने विश्व मृदा दिवस के इतिहास, इसकी वैश्विक पृष्ठभूमि और इसके महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. आलोक तिवारी ने छात्रों को किसान समस्याओं के समाधान में कारगर सहयोग देने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में वैज्ञानिक पहुँच बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।

राजनांदगांव जिले में 5.88 करोड़ मूल्य का 18,983 क्विंटल अवैध धान और 11 वाहन जब्त

रायपुर। खरीफविपणन वर्ष 2025-26 के दौरान धान की अवैध बिक्री पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन राजनांदगांव द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार राजस्व, खाद्य और मंडी विभाग की संयुक्त टीमों ने आज दो मामलों में 17 लाख 45 हजार 920 रुपए मूल्य का 563.20 क्विंटल (1408 बोरा) अवैध धान जब्त किया। जिले में अब तक 5 करोड़ 88 लाख 48 हजार 726 रुपए मूल्य का 18,983.46 क्विंटल (47,459 बोरा) अवैध धान तथा 11 वाहन जब्त किए जा चुके हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार, आजराजनांदगांव अनुविभाग में 1 लाख 86 हजार रुपए मूल्य का 60 क्विंटल (150 बोरा) अवैध धान तथा डोंगरगांव अनुविभाग में 15 लाख 59 हजार 920 रुपए मूल्य का 503.20 क्विंटल (1258 बोरा) अवैध धान जब्त किया गया है। राजनांदगांव अनुविभाग में 3 करोड़ 35 लाख 89 हजार 120 रुपए मूल्य के 10,835.20 क्विंटल (27,088 बोरा) धान तथा 4 वाहन जब्त किए जा चुके हैं। इसी तरह डोंगरगढ़ अनुविभाग में 1 करोड़ 18 लाख 2 हजार 506 रुपए मूल्य का 3,807.26 क्विंटल (9,518 बोरा) धान तथा 2 वाहन, डोंगरगांव अनुविभाग में 1 करोड़ 34 लाख 57 हजार 100 रुपए मूल्य का 4,341 क्विंटल (10,853 बोरा) धान तथा 5 वाहन जब्त किए गए। कलेक्टर श्री यादव ने कहा है कि धान की अवैध खरीद-बिक्री में संलिप्त कोचियों एवं बिचौलियों के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। इसकी पुनरावृत्ति करने वालों के विरुद्ध अपराधिक प्रकरण दर्ज करने की कार्रवाई भी की जाएगी। जिले में 1500 मंडी अनुज्ञप्तिधारियों की सूची तैयार कर अनुविभागीय अधिकारियों, तहसीलदारों, खाद्य एवं मंडी अधिकारियों की टीम लगातार दबिश देकर धान के अवैध भंडारण के मामले में कार्रवाई कर रही है। अन्य राज्यों से धान की आवक रोकने के लिए जिले में बोरतलाब, पाटेकोहरा और कल्लूबंजारी में कुल 3 अंतर्राज्यीय चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं, जहां राजस्व, मंडी, नगर सेना और वन विभाग के अधिकारी तीन पालियों में 24 घंटे निगरानी कर रहे हैं।

संसद सदस्य बृजमोहन अग्रवाल केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण के लिए दिये ज्ञापन

रायपुर। रायपुर लोकसभा के संसद सदस्य बृजमोहन अग्रवाल ने जारी संसद सत्र के दौरान चार दिसंबर को केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर रिंग रोड नंबर एक से जुड़ी सर्विस रोड की चौड़ीकरण एवं एनएच 53 के निर्माण के लिए ज्ञापन सौंपा।

संसद सदस्य अग्रवाल ने केंद्रीय मंत्री गडकरी को यह भी बताया कि राजधानी बनने के उपरांत सड़कों पर लगातार जाम लगने से आवाजाही प्रभावित हो रही है। गडकरी ने अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत ज्ञापन पर संपूर्ण मांगे पूर्ण करने का वादा किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने श्री रामकथा पोस्टर एवं कैलेंडर का किया विमोचन

श्री रामकथा पोस्टर एवं कैलेंडर का किया विमोचन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से विगत दिवस राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में प्यारे श्री राधाकृष्ण संस्कार मंच, जामुल के प्रतिनिधिमण्डल ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने आगामी श्री रामकथा कार्यक्रम हेतु तैयार किए गए पोस्टर एवं कैलेंडर का विधिवत विमोचन किया।

प्रतिनिधिमण्डल ने मुख्यमंत्री श्री साय को बताया कि श्री रामकथा का आयोजन 28 दिसंबर 2025 से 06 जनवरी 2026 तक दुर्ग जिले के जामुल नगर में किया जाएगा। प्रतिनिधिमण्डल ने मुख्यमंत्री श्री साय को इस पावन आयोजन में सादर आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आमंत्रण के लिए प्यारे श्री राधाकृष्ण संस्कार मंच, जामुल के सदस्यों का हृदय से आभार व्यक्त किया एवं

आयोजन की सफलता हेतु शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर मंच के संरक्षक श्री दिलेश्वर उमरे, संयोजक श्री ईश्वर उपाध्याय, तथा श्री जागेश्वर मल सोनी, श्री उमेश निर्मलकर, श्री नेत राम साहू, श्री जितेंद्र साहू, श्री इंद्रजीत उपाध्याय, श्री वैभव उपाध्याय सहित मंच के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सहायक कलेक्टर अनिकेत अशोक ने धान बैरियर का किया निरीक्षण

जशपुरनगर । संवाददाता। राज्य शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत किसानों से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी 15 नवंबर से सुचारू रूप से जारी है। इसी के मद्देनज़र कलेक्टर रोहित व्यास ने जिले में अन्य राज्यों से अवैध रूप से परिवहित एवं संग्रहित धान पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने धान खरीदी केंद्रों और सभी चेकपोस्ट पर सतत एवं कठोर निगरानी रखने पर विशेष जोर दिया है। कलेक्टर के निर्देशों का पालन करते हुए जिला प्रशासन सक्रिय रूप से निगरानी और कार्रवाई में जुटा हुआ है। अवैध धान की आवक रोकने हेतु जिले की सीमाओं पर 21 चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं, जहां निरंतर जांच की जा रही है। इसी क्रम में सहायक कलेक्टर अनिकेत अशोक द्वारा साईटांगरटोली धान बैरियर का निरीक्षण किया गया। उन्होंने मौके पर उपस्थित सभी कर्मचारियों को समय पर ड्यूटी में उपस्थित रहने, प्रत्येक वाहन की कड़ाई से जांच करने तथा वाहनों का पूरा रिकॉर्ड संधारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सभी वाहनों के टोकन की प्रतियां अनिवार्य रूप से सुरक्षित रखी जाएं। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार, नायब तहसीलदार जशपुर, मंडी सचिव तथा फूड इंस्पेक्टर उपस्थित रहे।

लाइंसेस लिमिट से ज्यादा धान पाए जाने पर जप्ती की कार्यवाही

इसके अलावा सहायक कलेक्टर अनिकेत अशोक द्वारा लोदाम स्थित एक फुटकर व्यापारी के गोदाम का भी निरीक्षण किया गया। जांच में पाया गया कि व्यापारी ने लाइसेंस में निर्धारित सीमा से 136 बोरी अधिक धान का भंडारण कर रखा है। टीम द्वारा मौके पर 136 बोरी धान की जप्ती बना कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की गई। इस दौरान तहसीलदार, नायब तहसीलदार, मंडी सचिव एवं फूड इंस्पेक्टर की टीम उपस्थित रही।

रामानुजगंज में नकली सिगरेट का बड़ा नेटवर्क बेनकाब, ITC की शिकायत पर FIR दर्ज

रामानुजगंज। बलरामपुर रामानुजगंज में नकली सिगरेट के बड़े पैमाने पर चल रहे अवैध कारोबार का खुलासा हुआ है। ढ्ढञ्जष्ट लिमिटेड के अधिकृत प्रतिनिधि ऋषु मिश्रा ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने कई गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ढ्ढञ्जष्ट प्रतिनिधि के अनुसार, बस स्टैंड स्थित जायसवाल पान भंडार, संचालक राज जायसवाल, में नकली और उल्लंघनकारी सिगरेटों की खुलेआम बिक्री की जा रही थी। शिकायतकर्ता ने स्वयं दुकान से सैंपल पैकेट खरीदकर इसकी पुष्टि की।

नकली ब्रांडों की बिक्री की पुष्टि

निम्न गुणवत्ता वाली प्रिंटिंग वाले नकली त्रश्चद्यस्त्र स्न्नद्मड्डद्मद्ग पैकेट

स्न्नरूश्व ट्रेडमार्क का उल्लंघन करता पाया गया

यह सभी उत्पाद ढ्ढञ्जष्ट के लोकप्रिय एवं संरक्षित त्रश्चद्यस्त्र स्न्नरूश्व ब्रांड के नकली संस्करण पाए गए।

कंपनियों व निदेशकों पर आरोप

शिकायत में इन नकली उत्पादों के निर्माण में निम्न कंपनियों पर संलिप्तता का आरोप लगाया गया है–

निदेशकः रमेश सुल्तानिया, लल्लू प्रसाद, बिगेंद्र कुमार सिंह

निदेशकः चेदुरती पति रमेश बाबू

आरोप है कि ये कंपनियाँ संगठित रूप से नकली सिगरेट का निर्माण कर बाजार में उतार रही थीं, जिससे उपभोक्ताओं को गुमराह किया जा रहा था और ढ्ढञ्जष्ट की बौद्धिक संपदा का गंभीर हनन हो रहा था।

पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (क्चहृस्), ट्रेडमार्क अधिनियम, कॉपीराइट अधिनियम, ष्टह्रञ्जक्क तथा विधिक माप विज्ञान अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है।

अवैध कमाई की आशंका के चलते क्करूरू के तहत भी आगे की जांच संभावित है।थाना रामानुजगंज में मामला दर्ज कर जांच का दायित्व उपनिरीक्षक बृजमोहन गुप्ता को सौंपा गया है। स्नढ्ढक्र की प्रति शिकायतकर्ता को निःशुल्क प्रदान की गई।

शिकायतकर्ता का बयान

नई दिल्ली निवासी 27 वर्षीय ऋषु मिश्रा ने कहा कि नकली सिगरेटों का यह व्यापार न केवल उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, बल्कि ढ्ढञ्जष्ट की बौद्धिक संपदा का भी गंभीर उल्लंघन है। उन्होंने ऐसे नेटवर्क के खिलाफसख्त कार्रवाई की मांग की।

बरदर के किसान सुशील कुमार की सुव्यवस्थित खरीदी व्यवस्था ने बढ़ाया भरोसा, सरकार को दिया धन्यवाद

एमसीबी । खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 किसानों के लिए उम्मीद, सम्मान और विश्वास की नई दिशा लेकर आया है। बरदर उपार्जन केंद्र पहुंचने पर ग्राम बरदर के किसान सुशील कुमार का इस बार का अनुभव बिल्कुल अलग था। अपनी मेहनत से उपजाए 100 क्विंटल धान को लेकर जैसे ही वे केंद्र पहुंचे, उन्हें हर कदम पर बदलाव और सुचारु व्यवस्था का एहसास हुआ।

उपार्जन केंद्र में बेमिसाल व्यवस्था

सुशील कुमार का कहना है कि इस बार उपार्जन केंद्र का माहौल पूरी तरह बदला हुआ नजर आया। परिसर साफ-सुथरा था, किसानों के लिए व्यवस्थित कतारें थीं, पर्याप्त बारदाने की उपलब्धता थी, साथ ही पीने के पानी और बैठने की सुविधा ने पूरी प्रक्रिया को सहज और सम्मानजनक बना दिया। तौल प्रक्रिया में रही पारदर्शिता ने किसानों का भरोसा और मजबूत किया।

किसानों की मेहनत को मिल रहा सम्मान

सुशील कुमार मुस्कुराते हुए बताते हैं कि पहले खरीदी को लेकर हमेशा भीड़, देरी और समस्याएँ सामने आती थीं, लेकिन इस बार न कोई अव्यवस्था दिखी और न ही किसी प्रकार की परेशानी। उन्होंने कहा कि इस बार ऐसा लगा मानो किसानों की मेहनत को वास्तव में सम्मान मिल रहा है और पूरी प्रक्रिया किसानों को केंद्र में रखकर बनाई गई है।

समर्थन मूल्य ने बढ़ाई आर्थिक सुरक्षा

राज्य सरकार द्वारा घोषित 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य और प्रति एकड़ 21 क्विंटल खरीदी सीमा को सुशील कुमार किसानों की आर्थिक सुरक्षा का मजबूत आधार बताते हैं। वे कहते हैं कि इस निर्णय ने किसानों को सुरक्षित भविष्य की ओर बढ़ने का आत्मविश्वास दिया है।

मुख्यमंत्री को किसान ने दिया धन्यवाद

व्यवस्था से प्रभावित होकर सुशील कुमार ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में खरीदी व्यवस्था में आए सुधारों ने किसानों को राहत और विश्वास दोनों प्रदान किए हैं।

जन चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी किरण ने, अफसरों को दिए निर्देश

सड़कों- पुलिया निर्माण के प्रस्ताव भेजे जाएंगे तत्काल

जगदलपुर । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव ने गुरुवार को जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र के नानगुर मंडल के ग्राम धनियालूर में जन चौपाल लगाकर ग्रामवासियों की समस्याओं से रूबरू होकर उनके समस्याओं का निराकरण करने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। धनियालूर पंचायत में जन चौपाल में उपस्थित ग्रामवासियों ने अपने विधायक किरण देव के समक्ष अपनी समस्या बताते हुए कहा कि गोरियाबहार नाला में पुलिया निर्माण नहीं होने से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में काफी असुविधा होती है। क्षेत्रवासियों ने गोरिया बहार में पुलिया निर्माण कार्य करने की मांग वर्षो से करते आ रहे हैं। गुरुवार को अपने विधायक के समक्ष पुलिया निर्माण कराने संबंधी मांग रखी। जिसपर क्षेत्रवासियों की मांग पर गंभीरता से लेते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक देव ने प्रस्ताव

बनाकर गोरियाबहार नाला में जल्द पुलिया निर्माण कार्य करने संबंधित विभाग को निर्देश दिया है। साथ ही ग्रामवासियों ने सड़क निर्माण की मांग पर जल्द सड़क निर्माण प्रारंभ होने की बात कही। उन्होंने बताया जन चौपाल के माध्यम से देवतुल्य जनमानस से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं से रूबरू होकर उसका समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है। क्षेत्र की जनता को पुलिया निर्माण नहीं होने से आवागमन व अन्य समस्या हो रही है । जिसके लिए प्रस्ताव बनाकर शासन को प्रस्ताव भेजकर जल्द पुलिया निर्माण कार्य शुरू करने का कार्य किया जायेगा। साथ ही जनता की समस्याओं का समाधान किया जायेगा। श्री देव ने कहा जनमानस के मांग के अनुरूप क्षेत्र में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं। जनता के मूलभूत सुविधा देना हमारा दायित्व है। जिसके लिए हमारी सरकार संवेदनशीलता के साथ प्रयासरत हैं। इस दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष पदलाम नाग, उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम कश्यप, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती बिंदू साहू, रजनीश पानीग्राही, आर्येंद्र सिंह, प्रदीप देवांगन, मंडल अध्यक्ष हरि मंडावी,मनोहर तिवारी, कृष्ण कुमार शुक्ला, संरपंच एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

बाल चालक का वीडियो वायरल, नशे में धुत चालक सो गया— 10 वर्षीय बच्चे ने संभाला ट्रैक्टर

घटना के बाद क्षेत्रवासियों में रोष है। लोगों ने सवाल उठाया

बलरामपुर। जिले से गुरुवार शाम एक चौंकाने वाला और बेहद चिंताजनक मामला सामने आया है। पुलिस अधीक्षक (स्क्क) के निवास की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर करीब 10 वर्षीय एक बच्चा ट्रैक्टर चलाता हुआ देखा गया। इस घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रैक्टर का वास्तविक चालक अत्यधिक नशे में था। नशे की हालत इतनी अधिक थी कि कुछ ही देर में चालक गहरी नींद में चला गया और वाहन पर उसका नियंत्रण पूरी तरह खत्म हो गया।

चालक के बगल में बैठे बच्चे ने पहले उसे झकझोरकर जगाने की कोशिश की, लेकिन जब चालक बेहोशी की स्थिति में ही रहा और ट्रैक्टर लड़खड़ाने लगा, तो बच्चे ने तुरंत स्टेयरिंग संभाल लिया। वीडियो में स्पष्ट दिख रहा है कि बच्चा आश्चर्यजनक रूप से सहजता से ट्रैक्टर को नियंत्रित करते हुए सड़क पर चलाता रहा।

स्थानीय लोगों ने जब यह खतरनाक दृश्य देखा तो बच्चे को ट्रैक्टर रोकने को कहा। बच्चा बिना घबराए, सहजता से ट्रैक्टर को सुरक्षित रूप से रोक देता है। बाद में लोगों ने ट्रैक्टर को सड़क किनारे सुरक्षित स्थान पर खड़ा करवा दिया।

घटना के बाद क्षेत्रवासियों में रोष है। लोगों ने सवाल उठाया कि स्क्कनिवास की ओर जाने वाला यह अत्यंत व्यस्त मार्ग है, फिर भी कई किलोमीटर तक एक बच्चा ट्रैक्टर चलाता रहा और किसी भी पुलिस कर्मी की नजर इस पर नहीं पड़ी। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस प्रशासन से इस मामले में ठोस कार्रवाई की मांग की है।

मुख्यमंत्री जन पर्यटन प्रोत्साहन योजना से छत्तीसगढ़ पर्यटन को मिलेगी नई उड़ान

छत्तीसगढ़ में शुरू होने जा रहा है पर्यटन का नया अध्याय

75 प्रतिशत सब्सिडी के साथ पर्यटकों के लिए आकर्षक टूर पैकेजों की शुरुआत

रायपुर । छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग एवं आईआरसीटीसी मिलकर मुख्यमंत्री जन पर्यटन प्रोत्साहन योजना के तहत रायपुर और बस्तर में पर्यटकों के लिए विशेष टूर पैकेजों की शुरुआत जल्द ही करने जा रहे हैं। यह पहल प्रदेश की सांस्कृतिक, धार्मिक और प्राकृतिक विरासत के प्रसार के साथ-साथ पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस योजना के अंतर्गत रायपुर से चार प्रमुख टूर पैकेज संचालित किए जाएंगे, जिनमें रायपुर सिटी टूर, रायपुर सिटी धार्मिक टूर, रायपुरङ्कजगदलपुर सर्किट टूर और रायपुरङ्कसिरपुरङ्कबारनवापारा सर्किट टूर शामिल हैं। प्रत्येक पैकेज में वातानुकूलित वाहन, हिंदी-अंग्रेजी गाइड, भोजन और ट्रैवल इंश्योरेंस जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे पर्यटक आरामदायक और सुरक्षित यात्रा का आनंद ले सकेंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पर्यटन को जन-जन तक पहुंचाने के लिए यह महत्वपूर्ण योजना शुरू की गई है। इससे न केवल आर्थिक विकास को बल मिलेगा, बल्कि छत्तीसगढ़ की पहचान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक सशक्त होगी। पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि यह योजना स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ रोजगार के व्यापक अवसर भी उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक समृद्धि हर पर्यटक तक पहुँचे।

इस टूर में पर्यटक रायपुर के प्रमुख स्थलों–राम मंदिर, ऊर्जा पार्क, पुरखौती मुक्तांगन, छत्तीसगढ़ ट्राइबल म्यूजियम, नंदनवन जू और कौशल्या माता मंदिर की सैर कर सकेंगे। पैकेज में वातानुकूलित वाहन, हिंदी/अंग्रेजी गाइड, भोजन और यात्रा बीमा शामिल है। प्रस्थान रायपुर रेलवे स्टेशन से होगा।

रायपुर सिटी धार्मिक टूर (दिवसीय भ्रमण)

धार्मिक स्थलों पर केंद्रित यह टूर हनुमान मंदिर, मां बंजारी मंदिर, कैवल्य धाम जैन मंदिर, इस्कॉन मंदिर, महामाया मंदिर, दंतेश्वरी माता मंदिर, राम मंदिर और मां कौशल्या माता मंदिर की यात्रा का अनुभव प्रदान करेगा। इस टूर की शुरुआत और समापन भी रायपुर रेलवे स्टेशन से ही होगा।

रायपुरङ्कजगदलपुर सर्किट टूर (02 रातें / 03 दिन)

इस पैकेज में बस्तर क्षेत्र के प्राकृतिक और सांस्कृतिक स्थलों–जगदलपुर, चित्रकोट, तीरथगढ़–की यात्रा शामिल है। पर्यटक चित्रकोट जलप्रपात, कुटुमसर गुफा, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान और दंतेश्वरी मंदिर जैसे प्रमुख आकर्षणों का आनंद ले सकेंगे। ठहराव डबल-शेयरिंग होटल में होगा तथा दैनिक भोजन की व्यवस्था रहेगी।

रायपुरङ्कसिरपुरङ्कबारनवापारा सर्किट टूर (01 रात / 02 दिन)

यह टूर सिरपुर के ऐतिहासिक मंदिरों और बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य की सैर करवाएगा। पैकेज में स्नैक्स, भोजन, होटल आवास और वातानुकूलित वाहन शामिल हैं। पर्यटकों को जंगल सफारी का रोमांचक अनुभव भी मिलेगा।प्रत्येक पैकेज के लिए कम से कम 10 व्यक्तियों का समूह आवश्यक है। यात्रा के दौरान पर्यटकों को पीने का पानी, स्नैक्स, लंच और ट्रैवल इंश्योरेंस दिया जाएगा। 2 से 18 वर्ष तक के बच्चों को 85त्न और 18 वर्ष से अधिक के वयस्कों को 75त्न सब्सिडी प्रदान की जाएगी।

सभी पैकेज रायपुर रेलवे स्टेशन से शुरू और समाप्त होते हैं।इन टूर पैकेजों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक, धार्मिक और प्राकृतिक विरासत को संरक्षित रखते हुए पर्यटन क्षेत्र में नई ऊर्जा लाई जा रही है।

निगरानी शुदा बदमाश को रो-को की सुरक्षा में बाउंसर बनाने से क्रिकेट प्रेमियों में रोष

विराट कोहली का पैर छूने वाले प्रशंसक पर हुई एफआईआर

निगरानी शुदा बदमाश को बनाया गया बाउंसर

रायपुर । राजधानी में गत दिनों भारत और दक्षिण आफ्रिका के बीच हुए वनडे मैच में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एक निगरानी शुदा बदमाश वसीम की ड्यूटी लगाई गई थी।

राजधानी में इस बात की चर्चा है कि जिस बाउंसर ने मीडिया कर्मियों के साथ दुर्व्यहार किया था, ऐसे व्यक्ति को रोहित शर्मा और विराट कोहली की सुरक्षा व्यवस्था में लगाए जाने से कई सवाल खड़े हो रहे है, जिसे लेकर पुलिस ने एक जुलूस भी निकाला था, वहीं अस्पताल प्रबंधन के कर्मचारियों से भी बदतमिजी करने का भी आरोप है, ऐसे में सवाल उठता है कि ऐसे निगरानी शुदा बदमाश को भारतीय खिलाड़ियों के लिए क्यो बाउंसर नियुक्त किया गया। प्रदेश में इस समय वनडे मैच में एक अज्ञात लड़का विराट कोहली के पास पहुंच गया था तथा उनका पैर छूकर वापस आ गए। इससे खिलाड़ियों की सुरक्षा पर भी प्रश्नचिन्ह लगता जा रहा है।

छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के प्रमुख बघेल ने किया देवेन्द्रनगर थाने में किया आत्मसमर्पण

दो महीने से काट रहे थे फरारी, सर्व धर्म समाज द्वारा निकली गई रैली

रायपुर, 05 दिसंबर (आरएनएस)। सर्व छत्तीसगढ़ी समाज द्वारा आज घासीदास प्लाजा से निकालेगी रैली। यह रैली आमापारा, आजाद चौक, तात्यापारा से होते हुए जिलाधीश कार्यालय पहुंची। इधर दो महीने से फरार चल रहे छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के प्रमुख अमित बघेल ने देवेन्द्रनगर थाने में आत्मसमर्पण कर दिया। ज्ञात रहे पिछले दो महीने से फरारी काट रहे थे। छत्तीसगढ़ की अस्मिता के लिए यह रैली निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए। यह रैली सर्व समाज द्वारा निकाली गई। समाज के प्रवक्ताओं का कहना है कि यह रैली छत्तीसगढ़ के अस्मिता को समाप्त करने के विरोध में निकाली गई। यह नाटकीय घटनाक्रम में छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के प्रमुख अमित बघेल ने देवेन्द्र नगर थाने में पिछले दो महीने से फरार चल रहे थे। उन्होंने सिन्धी और अग्रवाल समाज के ईष्ट देवताओं के विरूद्ध टिप्पणी की थी। देश के 12 राज्यों में उनके विरूद्ध एफआईआर दर्ज किया गया है। वे पिछले दो महीने से फरार चल रहे थे पुलिस ने उनके उपर ईनाम घोषित किया था। सर्व छत्तीसगढ़ समाज के नेताओं ने बूढ़ापारा तालाब स्वामी आत्मानंद तथा खुबचंद बघेल के नाम पर संस्थाओं का नाम बदलाए जाने का भी विरोध किया। समाज के प्रवक्ताओं ने कहा कि लोक भवन जो कि राजभवन है वहां जाकर राज्यपाल को ज्ञापन देंगे। आज समाज द्वारा निकाली गई रैली कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झुमाझटकी हुई। समाज द्वारा छत्तीसगढ़ी और गैर छत्तीसगढ़ी के बीच जंग पैदा करने की कोशिश की जा रही है। इसको लेकर समाज का वातावरण खराब होने की भी आशंका है।

कलेक्टर ने पर्यवेक्षकों की बैठक लेकर दिए आवश्यक निर्देश, व्यापम द्वारा परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक दिशा निर्देश

महासमुंद, 05 दिसम्बर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल, रायपुर द्वारा आयोजित अमीन भर्ती परीक्षा का आयोजन रविवार, 07 दिसंबर 2025 को किया जाएगा। परीक्षा पूर्वाह्न 12:00 बजे से दोपहर 02:15 बजे तक एक पाली में सम्पन्न होगी। जिला मुख्यालय महासमुंद में कुल 16 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं, जिनमें जिले के 4731 परीक्षार्थी अपनी उपस्थिति देंगे। परीक्षार्थियों की सुविधा, सुरक्षा एवं सुचारू परीक्षा संचालन के लिए कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने आज पर्यवेक्षकों एवं केंद्राध्यक्षों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर सचिन भूतड़ा, नोडल अधिकारी सहायक प्राध्यापक श्री अजय राजा एवं पर्यवेक्षक मौजूद थे।उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों में शांतिपूर्ण एवं नकलविहीन वातावरण सुनिश्चित किया जाए। प्रवेश द्वार पर व्यापम द्वारा जारी निर्देशानुसार कड़ाई से चेकिंग व्यवस्था हो

तथा प्रतिबंधित सामग्री बिल्कुल न ले जाने दी जाए। परीक्षार्थियों के प्रवेश, बैठने व्यवस्था एवं प्रश्नपत्र वितरण में समय पालन का विशेष ध्यान रखा जाए। परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी, सुरक्षा बल, पेयजल व प्राथमिक उपचार जैसी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध रहें। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की सूचना पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा प्रक्रिया में पूर्ण गंभीरता, पारदर्शिता और संयम का पालन कर परीक्षा को सफलतापूर्वक संपन्न कराएं। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने बताया कि व्यापम द्वारा इस संबंध में परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए है। उन्होंने सभी परीक्षार्थियों को इन निर्देशों का पालन अनिवार्य रूप से करने कहा है, ताकि परीक्षा दिवस में किसी प्रकार की असुविधा न हो। अभ्यर्थियों को परीक्षा के एक दिन पूर्व अपने निर्धारित परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण कर लेने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे परीक्षा दिवस में उन्हें स्थान ढूँढ़ने में कोई कठिनाई न हो। कलेक्टर ने परीक्षार्थियों से अपील की है कि वे समय से पूर्व परीक्षा केंद्र पहुंचे तथा अपना एडमिट कार्ड और वैध पहचान पत्र अवश्य साथ रखें।परीक्षार्थियों को सलाह दी गई है कि वे व्यापम द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन करते हुए परीक्षा प्रारंभ होने से कम से कम दो घंटे पहले परीक्षा केन्द्र पहुँचे। ताकि फ्रिस्किंग तथा फोटो युक्त मूल पहचान पत्र से सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण की जा सके। परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट पूर्व परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जाएगा। चूंकि परीक्षा दोपहर 12:00 बजे से शुरू होगी, इसलिए

बटन चाकू लहराकर दहशत फैलाने वाला आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देशानुसार व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर राजेन्द्र जायसवाल के मार्गदर्शन में लगातार अपराध व अपराधियों के अवैधानिक कृत्यों में अंकुश लगाने व उनके विरुद्ध त्वरित कार्यवाही की जा रही है इसी क्रम में दिनांक 02/12/2025 को थाना कोनी पुलिस को जरिये मुखबीर सूचना प्राप्त् हुई कि ग्राम घुटकु तालाब के पास रोड किनारे जय लोनिया नामक व्यक्ति अपने हाथ में लोहे का धारदार बटन चाकू लहराकर आने जाने वाले लोगो को डरा धमका कर दहशत फैला रहा है कि सूचना तस्दीक एवं कार्यवाही हेतु हमराह स्टाफ ,गवाह के रवाना होकर मुखबीर के बताये स्थान में जाकर घेराबंदी कर आमजनों को भयभीत करने वाले जय लोनिया को पकड़ा गया पुछताछ करने पर उसने अपना पूरा नाम पता जय लोनिया पिता होश राम लोनिया उम्र-19 वर्ष निवासी ग्राम घुटकु थाना कोनी जिला बिलासपुर का रहने वाला बताया जिससे गवाहों के समक्ष एक लोहे का धारदार बटन चाकू जिसकी कुल लम्बाई 09 इंच, बरामद किया गया।

दूरस्थ क्षेत्रों में पुल निर्माण से विकास की रफ्तार हुई दुगनी

रायपुर। बस्तर के विभिन्न क्षेत्रों में बन रहे पुल विकास और समृद्धि के भी सेतु बन रहे हैं। नक्सल आतंक से प्रभावित रहे दूरस्थ क्षेत्रों में पुलों के निर्माण से विकास कार्य दुगुनी गति से धरातल पर उतर रहे हैं। आकांक्षी जिला कांकेर में पिछले तीन वर्षों में सेतुओं का तेजी से पूर्ण होता निर्माण सुदूरांचलों के रहवासियों के विकास और समृद्धि का भी सेतु बन रहा है। इससे सुदूरवर्ती माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों को अच्छी गति मिल रही है। कांकेर जिले में पिछले तीन वर्षों में 101 करोड़ 16 लाख रुपए की लागत से 20 सेतु निर्माण के कार्य पूर्ण हुए हैं। इससे लगभग 160 गांवों के 80 हजार लोगों का बारहमासी सड़क संपर्क विकासखंड, तहसील एवं जिला मुख्यालय से हो गया है। इन पुल-पुलियों के निर्माण से क्षेत्रवासियों तक उच्च शिक्षा, व्यापार, पर्यटन, सामाजिक-सांस्कृतिक संपर्क, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं एवं शासन की योजनाओं की पहुंच आसान हो गई है। इससे नक्सल गतिविधियों के उन्मूलन के साथ ही क्षेत्र में विकास की गति तेज हुई है।

कुछ इलाकों के नक्सल प्रभावित होने के बावजूद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में मिचगांव से कोड़ेकुर्से मार्ग के कि.मी. 16/2 पर कोटरी नदी पर नौ करोड़ 35 लाख रुपए की लागत से एवं आतुरबेड़ा-भैंसगांव-निब्रा मार्ग के कि.मी. 4/2 मेंढ़की नदी पर नौ करोड़ 57 लाख रुपए की लागत से महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय पुलों के काम पूर्ण किए गए हैं। अभी जिले में कुल 60 करोड़ रुपए की लागत से 12 वृहद पुलों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। साथ ही कुल 30 करोड़ रुपए लागत के पांच वृहद सेतु कार्य निविदा स्तर पर है, जो कि शीघ्र ही प्रारंभ हो जाएंगे। इससे 136 गांवों की 68 हजार से अधिक आबादी लाभान्वित होगी। कांकेर के दूरस्थ छोटेबेठिया-मरबेड़ा-सितरम मार्ग पर कोटरी नदी पर 19 करोड़ रुपए तथा कोयलीबेड़ा-दुता मार्ग पर मेंढ़की नदी पर दस करोड़ 28 लाख रुपए की लागत से वृहद पुल निर्माणाधीन हैं। इनके साथ ही सोनपुर-मरोड़ा मार्ग (बेचाघाट) पर प्रस्तावित पुल निर्माण कार्य की स्वीकृति अंतिम चरण पर है। इन पुलों के निर्माण से माड़ क्षेत्र से सीधा संपर्क स्थापित हो जाएगा। ये पुल क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होंगे।

कांकेर में नरहरपुर विकासखण्ड के अंतिम छोर को जोड़ने के लिए बांसपत्तर-तिरियारपानी मार्ग में स्वीकृत पांच वृहद पुलों में से एक का कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष चार पुलों के काम अगले वर्ष (2026) मार्च तक पूर्ण हो जाएंगे। जिले के इसी सीमावर्ती क्षेत्र में लेण्डारा से ठेमा मार्ग पर दो वृहद् पुल बने हैं। इनके निर्माण से कोण्डागांव जिले के विश्रामपुरी-बड़ेराजपुर विकासखण्ड से सीधा बारहमासी संपर्क हो गया है। विकास की दौड़ में अछूता सा रह गया यह क्षेत्र भी अब तेजी से विकास करेगा। कांकेर के कोने-कोने को राज्यीय मार्गों, राष्ट्रीय राजमार्गों, विकासखंडों, तहसीलों एवं जिला मुख्यालय से बारहमासी संपर्क स्थापित करने के लिए राज्य शासन द्वारा बजट में लगभग 250 करोड़ रुपए के 36 नवीन सेतु निर्माण कार्यों के प्रस्ताव शामिल किए गए हैं,

उद्योग सखी आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न

धमतरी । कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में 2 से 5 दिसंबर 2025 तक शहीद वीर नारायण सिंह सामुदायिक भवन, नगर पालिका निगम धमतरी में उद्योग सखी चार दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिला किसानों एवं बिहान समूहों को कृषि आधारित उद्यमिता, प्रसंस्करण और विपणन से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

कार्यक्रम में बिहान समूह से जुड़े 40 ग्रामों की उद्योग सखियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और उद्यमिता विकास के विभिन्न आयामों पर तकनीकी व व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान राज्य प्रशिक्षक सुश्री दीप्ति रंजन ने उच्च गुणवत्ता वाले कृषि पौधों के उत्पादन, प्रसंस्करण तकनीक, पौध संरक्षण एवं मूल्य संवर्धन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया।कृषि आधारित उत्पादों के विपणन और ब्रांडिंग पर आयोजित विशेष सत्र में जिला कार्यक्रम प्रबंधक (अजीविका) श्री अनुराग मिश्रा ने फैसिलिटेटर के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बाजार मांग विश्लेषण, आकर्षक पैकेजिंग-ब्रांडिंग, गुणवत्ता मानक और बाजार तक पहुँच बढ़ाने के व्यावहारिक उपायों पर विस्तृत जानकारी दी, जो प्रतिभागियों के लिए अत्यंत लाभदायक साबित हुई।यह प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं को लखपति दीदी लक्ष्य की ओर अग्रसर करने का एक सशक्त माध्यम है। कलेक्टर श्री मिश्रा के नेतृत्व में यह प्रयास न केवल महिलाओं को उद्यमिता कौशल प्रदान करता है, बल्कि समूह आधारित आर्थिक गतिविधियों के माध्यम से उन्हें स्थायी आजीविका और बेहतर आय के अवसर भी उपलब्ध कराता है।

ज्वेलरी शॉप में लाखों की लूट, एक लाख कैश और गहने लूट ले गए आरोपी

सुकमा में बड़ी वारदात, पिस्टल लेकर घुसे बदमाश ले गए नकदी और जेवर

एक बदमाश पकड़ा गया, दो आरोपी हुए फरार

जगदलपुर । बस्तर संभाग के सुकमा जिला मुख्यालय में पहली बार लूट की बड़ी वारदात हुई है। यहां ज्वेलरी शॉप में घुसे तीन हथियारबंद बदमाश शॉप मालिक पर तमंचा अड़ाकर एक लाख रुपए कैश और तीन बैग सोना चांदी के जेवर लूट ले गए। हालांकि कुछ ही देर में लोगों ने एक लुटेरे को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया, जबकि उसके दूसरे साथी फरार हो गए। खबर है कि बाद में दोनों फरार आरोपी भी पकड़ लिए गए। खास बात ये है कि लूट की यह वारदात पुलिस अधीक्षक कार्यालय के बिल्कुल करीब हुई है। पकड़े गए

आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

लूट की यह वारदात सुकमा नगर के दुर्गा ज्वेलर्स में हुई है। बीती रात 8 बजे तीन नकाबपोश बदमाश दुकान में घुसे। हाथ में पिस्टल लिए बदमाश ज्वेलरी शॉप मालिक को डरा कर नगदी और सोने चांदी के गहनों को तीन बैग में भरकर अपने साथ ले गए। वही पास में मौजूद कुछ लोगों ने पीछा कर एक बदमाश को पकड़ लिया। खबर लगते ही पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण मौके पहुंचे। वारदात गुरुवार रात 8 बजे के आसपास की है। तीन बदमाश दुर्गा ज्वेलर्स पहुंचे। दुकान के मालिक ओम सोनी को पिस्टल दिखाई और धमकाते हुए सारा पैसा और गहने निकाल कर देने कहा। बदमाशों ने ओम सोनी से कहकर दुकान की लाइट भी बंद करवा दी। इसके बाद डर के मारे व्यापारी ने एक लाख रुपए कैश उनके हवाले कर दिया। वहीं दूसरे बदमाशों ने तीन बैग में सोना और चांदी के जेवर भर लिए। इसके बाद बदमाश फरार हो गए। उनके जाने के बाद दुकानदार ने बाहर निकल कर मदद के लिए आवाज लगाई। जिसके बाद कुछ लोगों ने पीछा किया। कुछ ही दूरी पर मिनी स्टेडियम के पास जंगल में एक आरोपी लेटा पड़ा मिला। लोगों ने उसे पकड़ लिया। भीड़ ने आरोपी को पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया। उसके पास से एक बैग मिला, वहीं बाकी बैग के साथ दूसरे आरोपी फरार हो गए। सूचना मिलते ही एसपी किरण चव्हाण मौके पर पहुंचे। उन्होंने चारों तरफ नाकेबंदी करने के निर्देश दिया। साथ ही पकड़े गए आरोपी से पूछताछ चल ही रही थी कि कुछ ही देर में दो और आरोपी भी पकड़ लिए गए। गौरतलब है कि जिला मुख्यालय के हृदय स्थल पर स्थित दुकान में पहली बार ऐसी घटना हुई है। इस घटना से नगर के व्यापारी दहशत में आ गए हैं।

ये नई बीमारी का है संकेत

दशकों से नक्सलवाद का दंश झेलते आए सुकमा जिले को इस बीमारी से थोड़ी राहत पहुंची है, तो अब नई बीमारी ने यहां दस्तक दे दी है। लोग चैन की नींद सोने लगे थे, लेकिन लूट की इस वारदात ने फिर से लोगों की नींद उड़ा दी है। बाहरी बदमाश यहां आकर गंभीर प्रवृत्ति के अपराध करने से हिचकते थे, मगर नक्सलवाद के खात्मे के बाद ऐसे तत्व यहां सिर उठाने लगे हैं। नगर के लोगों का कहना है कि ऐसे तत्वों पर भी नकेल लगाने की जरूरत है।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस हमें यह सिखाता है कि सक्षम समाज वही है जो सबको साथ लेकर चलता है – मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर कहा कि दिव्यांगजन हमारे समाज का अभिन्न हिस्सा है। छत्तीसगढ़ सरकार दिव्यांगजनो के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस समाज को यह समझने का अवसर देता है कि दिव्यांगजन किसी भी दृष्टि से कमतर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि एक सशक्त और प्रगतिशील समाज वही है जो सभी को बराबरी के अवसर प्रदान करे और किसी भी व्यक्ति को उसकी शारीरिक सीमाओं के कारण पीछे नहीं रहने दे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजनों के अधिकार, सम्मान और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। छत्तीसगढ़ में शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएँ, सहायता उपकरण, कौशल-विकास, रोजगार अवसर, सामाजिक सुरक्षा और अनुकूल वातावरण निर्माण के लिए अनेक योजनाएँ सुदृढ़ रूप से लागू की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य दिव्यांगजनों को मुख्यधारा में समान और सशक्त भागीदारी दिलाने का है, ताकि वे अपनी पूर्ण क्षमता के साथ राज्य के विकास में सक्रिय योगदान दे सकें। मुख्यमंत्री ने समाज के सभी वर्गों से आह्वान किया कि दिव्यांगजनों के प्रति दृष्टिकोण में सकारात्मक परिवर्तन लाएँ और उनके साथ सम्मानजनक, सहयोगपूर्ण और संवेदनशील व्यवहार अपनाएँ। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन तभी वास्तविक रूप से सशक्त होंगे जब समाज और शासन मिलकर ऐसी परिस्थितियाँ तैयार करें, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमताओं के अनुरूप आगे बढ़ सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस हमें समावेशी विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करने का संदेश देता है।

संपादकीय

अपनी नीतियों से आलोचना का पात्र बनते ट्रंप

दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में हुए जी-20 शिखर सम्मेलन से संकेत देने की कोशिश हुई कि अमेरिका के बिना भी दुनिया चल सकती है। दक्षिण अफ्रीका में श्वेत समुदाय पर अत्याचार का आरोप लगाते हुए डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने इस समिट का बहिष्कार किया। उसी क्रम में उसने दो टूक कहा कि इस सम्मेलन में कोई साझा वक्तव्य जारी नहीं होना चाहिए। फिर भी बाकी सदस्य देशों के प्रतिनिधि ना सिर्फ जोहान्सबर्ग गए, बल्कि उन्होंने साझा वक्तव्य भी जारी किया। उधर दक्षिण अफ्रीका ने अमेरिका के जूनियर प्रतिनिधि को अगले वर्ष की मेजबानी सौंपने से इनकार कर दिया। कहा कि यह औपचारिकता कम-से-कम विदेश मंत्री स्तर पर निभाई जाएगी।

संवेदना और प्रकृति

नदीया बोली बहते रहो,
पहाड़ बोला डटे रहो,
पेड़ बोले जुड़े रहो,
फूल बोले मुस्कुराते रहो।

हवा ने कानों को सहलाया
मन निष्ठुर मत होना।

ओस की बूंद बोल उठी
नरमी में भी ताक़त होती है।
लता ने वृक्ष के कंधों पर बाँह रखी
संग रहना ही है जीवन ।

नदी का पानी चहक उठा
दर्द बह जाए,
पानी की धारा के संग।

पहाड़ की चोटी से आवाज आई
खामोशी भी है साहस ।

पत्ते झरते हुए फुसफुसाए
जुदाई अंत नहीं, है शुरुआत ।

धरती ने दोनों हथेलियाँ फैलाकर कहा
प्रेम ही मनुष्य की है असली पहचान ।

प्रकृति हर पल सिखाती
जो महसूस हो जाए, वही संवेदना है।

संजीव ठाकुर,

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन
PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp
Modimaya_ Vaidik_Netritva
Rashtriya Ekta
DLF-Vadra-Bhrasht Tantra
Silent Assassins Jan11,1966
Accursed & Jihadi Neighbour

चुनौतियों से टूटती है,जीवन की जड़ता

सतीश उपाध्याय

समय बहुत गतिशील है, इसकी गतिशीलता को कदम से कदम मिलाकर आत्मसात करना, ही जीवन का मर्म है और इस मर्म को समझने के लिए कर्म करना जरूरी है। इस जगत में हर किसी को अपना कर्म करना पड़ता है। पशु पक्षी के साथ प्रकृति भी कर्मशील है। सूर्य, चंद्र ,पृथ्वी ,नदी वनस्पति ,सभी अपने कर्म में लीन हैं ।

फिर मनुष्य तो ईश्वर की सर्वोत्तम कृति है तो यह फिर कर्म से कैसे अलग रह सकते हैं ?

गीता में भगवान श्री कृष्ण कहते हैं -मेरे लिए ÷कर्म÷ करना आवश्यक नहीं है फिर भी मैं कर्म में रत रहता हूं ।÷मनुष्य जीवन में जो भी कर्म करता है,उसी के अनुरूप उसका जीवन और जीवन की दिशा निर्धारित होती है ।

जीवन में हर कोई आगे बढ़ना चाहता है और मंजिल में पहुंचना चाहता है,। इसके लिए व्यक्ति को प्रयास करना पड़ता है ।श्रम करना पड़ता है, तब मनोवांछित परिणाम मिलते हैं ।दुनिया में कोई भी कार्य सहज और अपने आप पूरा नहीं होता, लगातार प्रयास करना और निरंतर जुटे रहने से काम पूरा होता है।

छोटा बालक जब चलना सीखता है तो घुटने के बल चलता है, किसी वस्तु का सहारा लेकर धीरे-धीरे अपने पैरों पर खड़े होने का प्रयास करता है। फिर डगमगाते कदमों से आगे बढ़ता है ।वह रोता भी है लेकिन हार नहीं मानता और एक दिन वह अपने प्रयास में सफल होता है, फिर वह न केवल चलता है बल्कि दौड़ता भी है। इसी तरह जीवन में आगे बढ़ते रहने के लिए ,निरंतर छोटे कदम हमें बड़ी मंजिल तक पहुंचा देते हैं ।तब हमें बड़ी मंजिल तक पहुंच कर बहुत सुखद अनुभूति होती है ,लेकिन बड़ी मंजिल तक पहुंच कर हम प्रायः उन छोटे कदमों को नजर अंदाज कर देते हैं।

जीवन में चुनौती भी जीवन का स्वाभाविक अंग है। यह हमारी सोई हुई शक्ति को जागृत करती है। यदि जीवन में चुनौती नहीं होगी, तो वह नीरस हो जाएगा।

जीवन में चुनौती जब आती है तब साहस एवं धैर्य के साथ सामना करना ही एक मात्र विकल्प है । जब जीवन सुविधाओं एवं अनुकूलताओं से भरा रहता है ,तब जीवन में जंग लगने लगता है। एक ठहराव सा आ जाता है चुनौतियों से ही जीवन के ठहराव की जड़ता टूटती है।जंग की परतें उतरने लगती है ।जीवन का विकास प्रारंभ हो जाता है, इसलिए चुनौतियों से घबराने या भागने की आवश्यकता नहीं ,बल्कि इनको अपना शुभचिंतक मानते हुए इनका सामना करने की जरूरत है। चुनौतियों को कम करने के बजाय चुनौती वाले अवसरों को बढ़ाते रहना चाहिए ।हर चुनौती को धन्यवाद देना चाहिए कि वह हमारे जीवन में आई हमें जीवन के कुछ अनमोल सबक दे गई। हमारी कुंद पड़ती प्रतिभा में नई धार आ गई ।इसके कारण हमारा व्यक्तित्व और सशक्त हुआ, और हमारे चरित्र में निखार आया। हमारे व्यक्तित्व की विश्वसनीयता और प्रमाणिकता में वृद्धि हुई।

किसी ने सही कहा यदि जीवन में चुनौती नहीं आती, तो व्यक्ति के जीवन में सार्थक परिवर्तन भी नहीं होते। चुनौतियां ही जीवन को अर्थपूर्ण बनाती है ।इनका सामना करने और इनको पार करने से संतुष्टि के गहरी अनुभूति मिलती है। चुनौती हमारे विकास के लिए और शिखर के लिए जरूरी है।साहस ,शौर्य , सूझबूझ और धैर्य ही चुनौतियां से निपटाने का मूल आधार है ।

जो चीज हमें जितना अधिक चुनौती देती है वह उतना ही अधिक सिखा जाती है। हम, चुनौतियों से घबरायें नहीं ,बल्कि इसका साहस पूर्वक सामना करें ।

शांत समंदर में कभी कुशल तैराक पैदा नहीं होते ।

वास्तव में यदि हम अपने पिछले जीवन को झांक कर देखें तो,हम पाएंगे कि आज हम जो कुछ भी हैं वह पिछली चुनौतियों के कारण हैं । यदि हम चुनौतियों को अपना शुभचिंतक मानते हुए पूरे साहस एवं समझकर इसका सामना करें तो जीवन को और सार्थक और सफल बनाया जा सकता है। एक अच्छे जीवन की एक और विशेषता होनी चाहिए ,और वह है -÷दूसरों के लिए भी जीना सीखें ।÷ सामने वाले को खुशी देकर प्रसन्न रहने की आदत भी डालिए। जो दूसरों को खुशी देता है प्रकृति उसे कई गुना अधिक वापस करती है ।देने से हमारे अंदर देवत्व का जागरण होता है ,जिससे हमारा स्वयं का जीवन भी महक उठता है ,खिल उठता है। स्वयं के लिए तो कोई भी जी सकता है। औरों के लिए भी जीना सीखें। स्वयं के लिए पशु ,पक्षी और अन्य प्राणी भी जी लेते हैं पर मनुष्य विधाता की सर्वोच्च कृति है और हमें इस जगत में रहते हुए अपने अस्तित्व एवं व्यवहार का परिचय अपने आचरण से देना चाहिए।

व्यक्ति की सही पहचान उसके संगत से होती है। वह जैसी संगत में रहता है वो उससे प्रभावित रहता है ।गलत लोगों के संगत से बचें। डाकू अंगुलिमाल की महात्मा बुद्ध के सत्संग में महात्मा बनने की कहानी प्रख्यात है।

छोटी नदी या नाला गंगा जी में मिलकर गंगा स्वरूप ही हो जाती है। नदियां ,सागर में मिलने पर सागर ही बन जाती हैं ।महापुरुषों और सफल आत्मविश्वासी सत्पुरुषों के सत्संग से बुद्धि के साथ आत्मा का भी पोषण होता है। अच्छे सत्संग से व्यक्ति का विवेक बढता है। अच्छी संगत ही व्यक्ति के कर्तव्य, धर्म भावना और सदाचार को प्रभावित करता है। सत्संग से चित की शुद्धि होती है। मन के संकल्प में वृद्धि होती है,और यही

संकल्प इंसान को अपार उत्साह और अदम्य साहस से भर देता है ।

वह अपने लक्ष्य को पूर्ण मनोयोग से पाने की कोशिश करता है ।महात्मा गांधी ने अहिंसा, सद्भावना, प्रेम ,शांति और सामंजस्य बनाए रखने का संकल्प लिया और इसका जीवन पर्यंत पालन भी किया। इस कारण वे भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को सफल कर पाए ।मन की स्थिरता और एकाग्रता ही संकल्प शक्ति को और दृढ़ता प्रदान करती है ।मन और चेतन बिखरा हुआ होता है तो संकल्प में उतनी ही दरारें आ जाती हैं ।संकल्प यदि दृढ़ है तो उसके समक्ष बाधाएं भी आने से घबराती हैं। यह कोई काल्पनिक बात नहीं है कि संकल्प की शक्ति से मनुष्य पर्वतों का रुख भी मोड़ सकता है ।बड़ी से बड़ी समस्याएं भी संकल्प शक्ति के सामने झुक जाती है। जिनके मन में संशय होता है या दुविधा होती है वह दृढ़ संकल्प नहीं ले पाते ।संकल्प शक्ति जीवन को नया रूप देती है। इससे

पथरीली भूमि भी उपजाऊ बन सकती है ।संकल्प शक्ति के द्वारा कोई भी व्यक्ति अपने जीवन को शिखर तक पहुंचा सकता है। इतिहास साक्षी है ,जिनके पास संकल्प शक्ति थी वही महापुरुष बन पाए और महान कहलाए।

जीवन में दृष्टिकोण एवं विचार का भी बहुत महत्व है।जीवन एक गीत है जिसे मधुर स्वर में गाया जा सकता है ।जीवन एक अवसर है जिसे गंवा देने पर सब कुछ हाथ से निकल जाता है ।

जीवन एक स्वप्न है जिसमें स्वयं को खोजा जा सकता है। जीवन , सकारात्मक चिंतन एवं उल्लास का नाम है , जिसमें आनंद का रसास्वादन किया जा सकता है। जीवन एक प्रतिज्ञा है ,जिसे पूरा करके उसी के आधार पर जीवन की दिशा को मोड़ा जा सकता है। जीवन एक यात्रा है और जो इस यात्रा में हार नहीं मानता है, वह किसी भी आकर्षक परिणाम में ठहरता नहीं है , बल्कि आगे की ओर ही बढ़ता जाता है।

जीवन, जीने की एक कला है और इसे कलाकार की तरह जिया जा सकता है। जीवन सौंदर्य है ,जो नियंता की इस सृष्टि में सर्वोत्तम कहे जाने योग्य है। हम उसे सही से जीकर तो देखें ।प्रसन्नता एक मनोभाव है ,एक सकारात्मक मनोदशा है हमारी जैसी मनःस्थिति होती है वैसे ही हमारे शरीर में भौतिक और रासायनिक परिवर्तन घटित होते हैं ।

आमतौर पर व्यक्ति बाहरी परिस्थितियों में अपनी प्रसन्नता ढूंढता है जिन पर उसका नियंत्रण नहीं होता । जीवन स्वर सौंदर्य एवं संगीत भी है इसमें व्यक्तित्व की मधुरता और उसकी साधना का सम्मिश्रण है।

जीवन में सफलता के कई कारण है इनमें सर्वोपरि है समय का सदुपयोग ।समय के एक-एक पल का सदुपयोग करते हुए कितनों ने न जाने कितनी बड़ी-बड़ी सफलताएं अर्जित की । इसके लिए सबसे पहले आप अपना लक्ष्य तय करें जिसे अभी तक आपने प्राप्त नहीं किया है जिसे आप पूरा करना चाहते हैं, उसे प्राप्त करने की दिशा में छोटे-छोटे कदम उठाएं ।उन कार्यों की एक सूची बनाएं जो आपके भीतर आशाएं जगाते हैं ।अब प्रत्येक दिन उनमें से कुछ भीतर ही भीतर बोलें। जो कार्य पूर्ण करने हैं उनका स्मरण करें।

मनुष्य अपने भाग्य का निर्माता स्वयं है। जीवन में निराशा को हावी न होने दें

आशा जीवन की संजीवनी शक्ति का संचार करती है, वहीं निराश व्यक्ति को अवसाद की ओर ले जाती है ।

जीवन के घनघोर अंधकार के बीच उज्जवल संभावनाओं के उजास बीज छुपे होते हैं, जो आपके भीतर ही छुपे हुए हैं वे अवश्य मिलेंगे । यह जीवन है तो ढलेगा ही।

बुढ़ापा जीवन का एक ऐसा सत्य है जिससे हर इंसान का वास्ता देर सवेर पड़ता ही है। यह बात दूसरी है कि जवानी के जोश में इस पर किसी का ध्यान नहीं जाता, न ही इसकी कोई ज्यादा परवाह करता है। प्रफुल्लित रहने की आदत डालिए।मनुष्य जीवन में मुस्कुराहट का विशेष महत्व है।मुस्कुराता हुआ चेहरा दूसरों के चेहरे पर भी मुस्कुराहट फैला देता है। मुस्कुराहट हमारे जीवन की एक जीवन दायिनी औषधि की तरह है ।जीवन में समस्याएं आने पर व्यक्ति गंभीर हो जाता है नकारात्मक चिंतन से ग्रस्त हो जाता है।ऐसे व्यक्ति को लगता है की सारी बुरी चीज प्रायः उसके साथ ही घटित होती है वह अच्छी चीजों के लिए नहीं बना है ।

अपने नकारात्मक विचारों को पहचानें इनको चुनौती दें ,भीतर के मनोबल को बढ़ाएं ।जीवन के हर क्षण में हम प्रसन्नता का साथ चाहते हैं ।जीवन में आभार प्रकट करना भी सीखिए ,आभार प्रकट करना हमारी शालीनता ,विनम्रता का प्रतीक है। जिनका हमारे जीवन में अच्छा असर पड़ा हो जिन्होंने आपकी सहायता के लिए भरपूर समय दिया हो,उनका आभार व्यक्त करें। आभार व्यक्त करने से रिश्तों में मधुरता आती है । कुंठा एक नकारात्मक भावना है जो व्यक्ति को हताशा ,और निराशा के गहरे भंवर में डूबो देती है। उनको पहचानें ।कुंठा ही आपके लक्ष्य की ओर बढ़ते कदमों में अवरोध बनती है । चुनौतियों से हारने से ही भीतर कुंठा पैदा होती है।आपसी संवाद करें ।मनमुटाव ,संबंधों की खटपट और आपसे संवादों के कड़वाहट के मन भीतर कुंठित होता है। सकारात्मक सोच की सबसे बड़ी खूबी यही है कि कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी हम पर हावी नहीं होने पाती । **यह निजी विचार है।**

अखरा विकास : जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और अनुष्ठानों के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में उल्लेखनीय कदम

डॉ. ओम डहरिया

सहा. जनसपंर्क अधिकारी

जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और अनुष्ठानों के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में उल्लेखनीय कदम

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जनजातियों के श्रद्धा, पुजा स्थलों को अखरा विकास योजना के तहत् विकास करने तथा उनके संस्कृति एवं परंपराओं को सहेजने उल्लेखनीय कदम उठाए हैं। राज्य के आदिवासी क्षेत्रों के गांवों की पुरातन संस्कृति, जैसे पारंपरिक कलाओं, लोक कथाओं और अनुष्ठानों को संरक्षित एवं प्रोत्साहित करने हेतु अखरा स्थलों का विकास करने का निर्णय लिया है। इस उद्देश्य से इस योजना के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में 2 करोड़ 50 लाख रूपए का बजट में भी प्रवाधान किया गया है।

राज्य के जनजातीय संस्कृति, परंपराओं तथा अनुष्ठानों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ही भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती 15 नवम्बर जनजातीय गौरव दिवस को छत्तीसगढ़ सरकार मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में पूरे उत्साह और सम्मान के साथ मना रही है। पिछले वर्ष रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने राज्य के बैगा-गुनिया-सिरहा- हथजोड़ को प्रोत्साहित करने तथा जनजातीय वर्ग के पूजा व सांस्कृतिक स्थल को अखरा विकास योजना के तहत विकसित करने का संकल्प निश्चित रूप से जनजातीय लोग संस्कृति को संरक्षण एवं संवर्धन करने की दिशा में भी सार्थक पहल हैं।

इसी के साथ ही प्रदेश के आदिवासी सांस्कृतिक दलों को सहायता प्रदान करने के लिए सांस्कृतिक वाद्य यंत्र क्रय करने हेतु अनुदान स्वरूप प्रति दल को 10 हजार रूपए दिए जाने का प्रावधान किया गया है। इस योजना से पिछले 2 वर्षों में 1180 सांस्कृतिक दलों को लाभान्वित किया गया है। इसी तरह आदिवासी संस्कृति का परिरक्षण एवं विकास योजना के तहत् आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में आदिवासियों के पूजा एवं श्रद्धा स्थल (देवगुड़ी) के निर्माण एवं मरम्मत हेतु 5 लाख रूपए का प्रावधान किया गया है। इस योजना से विगत 2 वर्षों में आठ सौ देवगुड़ी के लिए 15 करोड़ 97 लाख 50 हजार रूपए स्वीकृति प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री आदिवासी परम सम्मान निधि योजना के तहत् आदिवासियों के तीज-त्यौहारों संस्कृति एवं परंपरा को संरक्षित करने एवं इन त्यौहारों-उत्सवों को मूल स्वरूप में आने वाले पीढ़ी को हस्तांरित करने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई है, वहीं सांस्कृतिक परंपराओं का अभिलेखिकरण भी शुरू किया गया है। इसके लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत को 10 हजार रूपए उपलब्ध कराई जा रही है। इन 2 वर्षों में 11266 ग्राम पंचायतों को 11 करोड़ 26 लाख 60 हजार की सहायता प्रदान की गई है।

इस वर्ष धरती आबा बिरसामुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में बीते महीने 20 नवंबर को अम्बिकापुर की धरती में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू पधाकर प्रदेश के जनजातीय समाज के लोगों को जनजातीय पुरोधाओं के शौर्य गाथा को स्मरण कर उनके रास्ते में चलने का आहावन किया। यह छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है।

यह उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने धरती आबा बिरसा मुंडा 150 वीं जयंती पर 15 नवंबर को बिहार के जमुई से देश के जनजातीय पुरोधाओं और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान को मान-सम्मान के साथ संरक्षित करने का आव्हान किया था। वहीं पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने जनजातीय समुदाय के कल्याण के लिए पृथक से मंत्रालय गठन कर इस समुदाय के विकास को एक नई दिशा दी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जनजातीय समुदाय के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं शुरू की है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत 24,000 करोड़ रूपए और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के लिए 80,000 करोड़ रूपए का बजट प्रावधान किया है, जिसके चलते जनजातीय इलाकों में तेजी से बुनियादी सुविधाओं का विकास और जनजातियों की बेहतरी के काम हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती वर्ष समारोह के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य के जनजातीय समुदाय से ताल्लुक रखने वाले बैगा, गुनिया, सिरहा लोगों के लिए मुख्यमंत्री सम्मान निधि दिए जाने की घोषणा की। इसके तहत उन्हें प्रति वर्ष 5 हजार रूपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने जनजातीय गांवों में धार्मिक एवं मांगलिक कार्य के लिए अखरा निर्माण विकास योजना शुरू करने और जनजातीय समुदाय के शहीदों की प्रतिमाएं चिन्हित स्थलों पर स्थापित किए जाने की उल्लेखनीय पहल की है। इससे सरकार जनजातीय समाज का विश्वास जीता है, वहीं जनजातियों के संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में मिल का पत्थर साबित हो रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व छत्तीसगढ़ के जनजातीय समुदाय के विभूतियों, राज्य में हुए जनजातीय विद्रोह के शहीदों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को सम्मानित करने की योजना भी जनजातियों के सम्मान में एक उल्लेखनीय कदम है। इसके साथ ही राज्य के जनजातीय लोककलाओं और वाचिक परंपराओं के ज्ञानवर्धन के लिए दस्तावेजीकरण की दिशा में कदम बढ़ाकर अनुकरणीय कार्य किया है।

मुख्यमंत्री की अखरा विकास घोषणा में जनजातीय समुदाय के विकास एवं सम्मान के प्रति प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की चिंता झलकती है प्रधानमंत्री ने /2047 तक विकसित भारत के संकल्प में देश के हर उन पिछड़े हुए वर्गों के विकास की चिंता की है। इनमें जनजातीय समाज का उत्थान प्राथमिकता में शामिल है। इसी दूरदृष्टि सोच का परिणाम है कि आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और पीएम जनमन योजना के माध्यम से जनजातीय समुदाय के लोगों का जीवन स्तर बेहतर हो रहा है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती के अवसर पर देश के दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्रों के बुनियादी सुविधाओं के विकास एवं विस्तार वाली 6600 करोड़ की लागत वाली कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शुभारंभ किया है। इससे देश के जनजातीय इलाकों और जनजाति समुदाय के कल्याण के लिए पांच गुना बजट खर्च कर रहे हैं। दस साल पहले इसका बजट मात्र 25,000 करोड़ रूपए हुआ करता था, जो अब बढ़कर 1,25,000 करोड़ रूपए हो गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा है कि इतिहास में आदिवासी समाज के लोगों को वह स्थान नहीं मिला, जिसके वह अधिकारी थे। आदिवासी समाज वो है, जिसने राजकुमार को मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान राम बना दिया। इस समाज ने देश की संस्कृति और परंपरा का मान बढ़ाया है। आदिवासी समाज सूर्य, वायु और पेड़-पौधों, पहाड़-पर्वत को पूजने वाला समाज है। हम सब मिलकर जनजातीय समाज के विचारों को देश की प्रगति का आधार बनायेंगे।

यह निनी विचार है।

फिर से एकता के प्रयास में ममता

अजीत द्विवेदी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एक बार फिर विपक्षी एकता बनवाने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले भी इसके लिए प्रयास किया था लेकिन कामयाब नहीं हो पाई थीं। तब के चंद्रशेखर राव और अरविंद केजरीवाल ने भी प्रयास किया लेकिन उनको भी कामयाबी नहीं मिली। कामयाबी मिली थी नीतीश कुमार को, जो उस समय राजद और कांग्रेस के समर्थन से सरकार चला रहे थे। उनकी पहल पर विपक्षी पार्टियों की पहली बैठक पटना में उनके सरकारी आवास एक, अणे मार्ग में हुई थी और बाद में 'इंडिया' ब्लॉक का गठन हुआ।

लेकिन संयोग है कि नीतीश कुमार के 'इंडिया' ब्लॉक छोड़ने का तात्कालिक कारण भी ममता बनर्जी बनीं। असल में राहुल गांधी ने घटक दलों की वर्चुअल मीटिंग में कह दिया था कि नीतीश कुमार को 'इंडिया' ब्लॉक का संयोजक बनाने के लिए ममता बनर्जी से पूछना होगा। उस समय तक अलग होने का मन बना चुके नीतीश कुमार को इससे मौका मिल गया और वे वापस भाजपा के साथ लौट गए। अगर नीतीश जनवरी 2024 में भाजपा के साथ नहीं गए होते तो लोकसभा चुनाव की तस्वीर कुछ और होती।

बहरहाल, ममता बनर्जी फिर से प्रयास कर रही हैं। इस बार उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर का मुद्दा बनाया है। वे चाहती हैं कि सभी पार्टियां मिल कर एसआईआर के खिलाफ साझा आंदोलन चलाएं। ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में एसआईआर के खिलाफ सड़क पर उतर कर लड़ रही हैं। लेकिन हैरानी की बात है कि लेफ्ट पार्टियां और कांग्रेस इस लड़ाई में उनका साथ नहीं दे रही हैं। सवाल है कि राहुल गांधी इस बार क्यों नहीं एसआईआर की लड़ाई लड़ रहे हैं? यह सही है कि अभी उनकी पार्टी बंगाल में ममता बनर्जी के साथ नहीं जा सकती है लेकिन कांग्रेस अकेले तो यह लड़ाई लड़ ही सकती है। लेकिन न अकेले लड़ रही है और न ममता के साथ जा रही है।

यही विपक्षी एकता के रास्ते में एक पेंच है। तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस पार्टी पश्चिम बंगाल में एक साथ मिल कर आंदोलन नहीं करेंगे क्योंकि दोनों को अलग अलग चुनाव लड़ना है। जब दोनों पार्टियां बंगाल में साथ नहीं आएंगी तो एकता कैसे बनेगी? ध्यान रहे यह लोकसभा का चुनाव नहीं है कि ममता बनर्जी राष्ट्रीय स्तर पर एकता बना लेंगी और बंगाल में सबको छोड़ कर अकेले लड़ेंगी। इस बार बंगाल में एकता बनानी और दिखानी होगी, जो कि वे नहीं चाहती हैं।

वे सिद्धांत रूप से एसआईआर के खिलाफ विपक्ष के एक साथ आने की अपील कर रही हैं। यानी समूचा विपक्ष एक साथ होकर एसआईआर के खिलाफ राजनीतिक, कानूनी और संसदीय लड़ाई लड़े और उसके बाद चुनाव में सब अलग अलग लड़ें। इससे जाहिर है कि यह 'इंडिया' ब्लॉक को फिर से रिवाइव करने की योजना का हिस्सा नहीं है, बल्कि तात्कालिक और मुद्दा आधारित एकजुटता का प्रयास है। इस प्रयास में आंशिक कामयाबी ही हासिल होगी। अगले हफ्ते एक दिसंबर से संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो रहा है उसमें सभी पार्टियां एसआईआर का मुद्दा उठा देंगी। उसमें भी कानूनी से ज्यादा मानवीय मुद्दा हावी होगा और सबका जोर इस बात पर होगा कि समय कम होने की वजह से बूथ लेवल अधिकारियों यानी बीएलओ के ऊपर अत्यधिक दबाव है, जिससे उनकी मौत हो रही है या वे खुदकुशी कर रहे हैं। सो, यह तय मानें कि संसद का शीतकालीन सत्र एसआईआर पर हंगामे की भेंट चढ़ेगा। लेकिन वह विपक्षी एकता की गारंटी नहीं है। ध्यान रहे संसद सत्र में लगभग हर बार विपक्ष साथ मिल कर ही सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करता है।

ममता बनर्जी की अपील अपनी जगह है लेकिन बड़ा सवाल यह है कि राहुल गांधी क्यों इस बार एसआईआर के खिलाफ प्रदर्शन या आंदोलन से दूर हैं? बिहार में इस साल जून में जब प्रयोग के तौर पर एसआईआर की प्रक्रिया शुरू हुई तो सबसे ज्यादा विरोध राहुल गांधी ने किया। उन्होंने इसे वोट चोरी से जोड़ा और बिहार में यात्रा करने पहुंचे। उन्होंने दो हफ्ते तक 'वोटर अधिकार यात्रा' की, जिसमें बिहार की तमाम विपक्षी पार्टियों के नेता शामिल हुए। क्या बिहार के प्रयोग और अनुभव से राहुल गांधी ने समझ लिया है कि एसआईआर कोई चुनावी या बड़ा राजनीतिक मुद्दा नहीं है और इसलिए वे दूर हो गए हैं या कोई और कारण है?

यह निजी विचार है।

शिक्षकों और अभिभावकों की प्रशंसा की, स्नातकों से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आग्रह

,संवाददाता केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने आज नोएडा स्थित एमिटी विश्वविद्यालय के वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि किसी विश्वविद्यालय द्वारा प्रतिभाशाली प्रतिभाओं को वापस लौटने के लिए प्रोत्साहित करने, उनकी क्षमताओं को निखारने और उन्हें एक ऐसा मंच प्रदान करने से बड़ा कोई योगदान नहीं हो सकता जो उनकी क्षमता को पहचाने और उसका सम्मान करे। ऑनलाइन और कैंपस में शिक्षा प्राप्त करने वाले लगभग 29,000 छात्रों के स्नातक बैच को बधाई देते हुए, मंत्री महोदय ने कहा कि छात्रों और पुरस्कार विजेताओं की उपलब्धियाँ ही इस समारोह का मुख्य आकर्षण हैं। श्री गोयल ने छात्रों को प्रदान किए जाने वाले विविध अवसरों का उल?लेख किया और छात्रवृत्तियों के माध्यम से योग्यता के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता की सराहना की जो आवश्यकता-रहित प्रवेश को संभव बनाती हैं। उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि आधी छात्र संख्या युवा महिलाओं की है और उन्होंने विश्वविद्यालय की मज़बूत नवाचार संस्कृति की प्रशंसा की जहाँ छात्रों के पास 450 से अधिक पेटेंट हैं। उन्होंने इस बात पर भी ध्यान दिलाया कि 50 संकाय सदस्य रामलिंगम स्वामी फेलो हैं जो राष्ट्र की सेवा के लिए वापस लौटे हैं। मंत्री महोदय ने महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की विरासत को याद करते हुए समानता, सामाजिक सद्भाव और सभी के लिए अवसर के संवैधानिक मूल्यों को दोहराया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि शिक्षा वंचित वर्गों के उत्थान का आधार है और छात्रों को समाज और राष्ट्र के प्रति उनके कर्तव्यों का स्मरण कराया।

मंत्री महोदय ने स्नातक छात्रों को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में भारत की यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बताया और कहा कि अगले 25 वर्ष विकसित भारत के लिए निर्णायक युग होंगे। उन्होंने छात्रों से अपने चुने हुए क्षेत्रों को अगले स्तर तक ले जाने, सीमाओं को आगे बढ़ाने और राष्ट्रीय प्रगति में सार्थक योगदान देने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से अपने संबोधन में एक लाख युवक-युवतियों से सार्वजनिक जीवन और राजनीति को एक व्यवसाय के रूप में अपनाने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि राजनीति में ऐसे समर्पित व्यक्तियों की आवश्यकता है जो राष्ट्र के लिए काम करने को तत्पर हों, सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी बनाए रखें और देश के 140 करोड़ नागरिकों को अपनी ज़िम्मेदारियों और कर्तव्यों को समझने के लिए प्रेरित करें–पहले अपने परिवार के प्रति, फिर समाज के प्रति और अंततः राष्ट्र के प्रति।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि अधिक विश्वविद्यालय छात्रों को सार्वजनिक जीवन और राजनीति को और गहराई से समझने के लिए प्रोत्साहित करेंगे, और यह भी बताया कि एमिटी विश्वविद्यालय राजनीति विज्ञान को एक विषय के रूप में पढ़ाता है। उन्होंने सुझाव दिया कि संस्थान छात्रों को निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ इंटर्नशिप के लिए भेजने पर भी विचार कर सकते हैं ताकि वे शासन और लोक सेवा को प्रत्यक्ष रूप से समझ सकें और यह भी कि वे एक दिन इसे और भी बेहतर कैसे कर सकते हैं। उन्होंने बताया की जैसा कि उन्हें शुरुआती कंप्यूटर कक्षाओं में सिखाया गया था, ÷अंदर कचरा, बाहर कचरा÷, और कहा कि भारतीय राजनीति को और अधिक अच्छे लोगों और मज़बूत जननेताओं की ज़रूरत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अगर और अधिक नेकनीयत युवा लड़के और लड़कियाँ सार्वजनिक जीवन में शामिल हों तो भारत किसी की कल्पना से भी अधिक तेज़ी से एक महाशक्ति बन सकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री का हवाला दिया, जिन्होंने बार-बार कहा है कि भारत का भविष्य ÷करने-योग्य पीढ़ी÷ के हाथों में है और कहा कि युवा एक नए भारत का निर्माण करेंगे।

दिल्ली–एनसीआर में प्रदूषण का कहर: लोगों के लिए सांस लेना मुश्किल, एक्यूआई 300 के पार

नई दिल्ली, दिल्ली एनसीआर के लोगों को बीते दो महीने से सांस लेने के लिए साफ हवा नसीब न हो रखी है. दिल्ली एनसीआर के लोग प्रदूषित हवा में सांस लेने को मजबूर हैं. प्रदूषण की रोकथाम को लेकर तमाम कोशिश ऑन दिल्ली एनसीआर में होती तो दिखाई दे रही है लेकिन धरातल पर इन तमाम कोशिशें का कोई असर नहीं दिखाई दे रहा है. दिल्ली एनसीआर का एयर क्वालिटी इंडेक्स जस का तस बना हुआ है. दिल्ली एनसीआर में हवा में घुल रहे प्रदूषण को लेकर आए दिन धरने और प्रदर्शन भी देखे जा रहे हैं. लेकिन प्रदूषण की रोकथाम को लेकर दिल्ली एनसीआर में सरकारों के पास कोई ठोस रणनीति नहीं है. प्रदूषण की रोकथाम को लेकर अस्थाई समाधान तो तलाशी जा रहे हैं लेकिन अभी तक कोई स्थाई समाधान को लेकर कदम उठाते हुए नहीं दिखाई दिए हैं. फ़िलहाल, दिल्ली एनसीआर का एयर क्वालिटी इंडेक्स 300 के पार बना हुआ है. केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का साफ कहना है कि यदि एयर क्वालिटी इंडेक्स 300 के बाहर पहुंचता है तो खुली हवा में लंबे समय तक सांस लेने से सांस संबंधित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है. केवल दिल्ली ही नहीं बल्कि नोएडा गाजियाबाद और ग्रेटर नोएडा की हवा की हालत भी बेहद खराब है. वहीं, आने वाले दिनों में भी प्रदूषण कम होने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है।

एनएमडीसी ने साइबर सुरक्षा को मजबूत करने और डिजिटल प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने के लिए आईआईटी कानपुर के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

पीआईबी

भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी ने उद्योग-शैक्षणिक सहयोग को मजबूत बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस पहल के तहत एनएमडीसी के प्रचालनों में साइबर सुरक्षा के क्षेत्रों में नई पहल की सुविधा प्रदान करने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) सहित आधुनिक डिजिटल प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा दिया जाएगा।

इस समझौता ज्ञापन पर एनएमडीसी की ओर से श्री सत्येंद्र राय, अधिशासी निदेशक (डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन) और प्रोफेसर अशोक डे, डीन, आर एंड डी, आईआईटी कानपुर ने प्रो. मनिंद्र अग्रवाल, निदेशक, आईआईटी कानपुर, एनएमडीसी के वरिष्ठ अधिकारियों और आईआईटी कानपुर के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

इस साझेदारी के माध्यम से एनएमडीसी साइबर सुरक्षा जोखिम आकलन; नीति, शासन और अनुपालन समर्थन; आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) एकीकरण और उन्नयन; सुरक्षा संचालन और घटना प्रतिक्रिया; क्षमता निर्माण और ज्ञान साझा करना; और संयुक्त अनुसंधान और नवाचार जैसे प्रमुख क्षेत्रों में आईआईटी कानपुर के साथ काम करेगा।

इसके अतिरिक्त, एनएमडीसी और आईआईटी कानपुर संयुक्त रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेंगे, अनुसंधान गतिविधियां करेंगे, पायलट परियोजनाएं चलाएंगे और प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट समाधान का सामूहिक रूप से विकास करेंगे।

श्री अमिताभ मुखर्जी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएमडीसी ने इस साझेदारी पर कहा, ÷यह समझौता ज्ञापन एनएमडीसी के व्यापक परिचालन पारिस्थितिकी तंत्र में आईआईटी कानपुर की उन्नत अनुसंधान क्षमताओं को समाहित करेगा। यह सहयोग हमें अपनी डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करने, परिचालन इंटेलिजेंस में सुधार करने और एनएमडीसी के लिए एक सुरक्षित और भविष्य के अनुरूप तकनीकी आधार बनाने में मदद करेगा।÷

यह समझौता ज्ञापन डिजिटल रूप से मजबूत और भविष्य के लिए तैयार खनन संगठन बनने की एनएमडीसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

संचालक कृषि ने किसानों से की चर्चा, फसलों की स्थिति का लिया जायज़ा

रायपुर, संचालक कृषि राहुल देव ने आज अभनपुर विकासखंड के ग्राम मानिकचौरी स्थित सेवा सहकारी समिति का दौरा किया और समिति में रखे गेहूं, चना एवं अन्य बीजों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसानों से मुलाकात कर दलहन व तिलहन फसलों के लाभ और उनकी उपयोगिता के बारे में जानकारी भी दी। श्री देव ने किसानों से अपील की कि इस रबी सीजन में भूमिगत जल संरक्षण के लिए ग्रीष्मकालीन धान की खेती न करें। उन्होंने बताया कि लगातार ग्रीष्मकालीन धान लेने से भूजल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है, जिससे पीने के पानी की कमी सहित कई समस्याएँ सामने आ रही हैं।

साथ ही उन्होंने कहा कि फसल विविधिकरण अपनाने से भूमि की उर्वरता बढ़ती है और किसान आर्थिक रूप से अधिक लाभ कमा सकते हैं। श्री देव ने पीएम-आशा योजना की जानकारी देते हुए बताया कि सरकार अरहर, उड़द, मूंग, मूंगफली, सोयाबीन, चना, मसूर और सरसों की खरीदी समर्थन मूल्य पर कर रही है। इसी के तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना में किसानों को मसूर मिनीकीट भी वितरित किए गए। दौरे के दौरान ग्राम डोगीतराई में सरसों की उतेरा फसल का निरीक्षण भी किया गया।

नवा रायपुर में बनेगा मध्य भारत का सबसे बड़ा इंटीग्रेटेड खाद्य एवं औषधि परीक्षण लैब

रायपुर,संवाददाता

नवा रायपुर में मध्य भारत की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड खाद्य एवं औषधि परीक्षण प्रयोगशाला का निर्माण होने जा रहा है, जिससे छत्तीसगढ़ में नकली खाद्य सामग्री और दवाओं की जांच में तेजी आएगी। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बताया कि यह प्रयोगशाला नवा रायपुर के डेढ़ एकड़ के कैंपस में स्थापित की जाएगी। इससे पहले दूसरे राज्यों से नमूने जांच के लिए भेजे जाते थे और रिपोर्ट आने में कई महीने लग जाते थे, लेकिन नई सुविधा के साथ अब जांच रिपोर्ट घंटों में उपलब्ध हो जाएगी और आवश्यक कार्रवाई तुरंत की जा सकेगी। मंत्री जयसवाल ने कहा कि यह लैब मुख्य बजट 2025-26 की बड़ी घोषणाओं में से एक है। निर्माण के लिए 46.49 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति मिल चुकी है और मशीनरी सहित पूरी लैब का खर्च लगभग 100 करोड़ रुपये होगा। इस सुविधा के शुरू होने के बाद छत्तीसगढ़ की दूसरे राज्यों पर निर्भरता पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। उन्होंने बताया कि लैब के बनने के बाद रासायनिक परीक्षण क्षमता सालाना 500-800 नमूनों से बढ़कर 7,000-8,000 नमूने प्रतिवर्ष हो जाएगी। माइक्रोबायोलॉजिकल परीक्षण, जैसे कि इंजेक्शन और आई ड्रॉप, अब सालाना 2,000 नमूने तक होंगे। इसके अलावा, मेडिकल डिवाइस जैसे हाथ के दस्ताने, कैथेटर आदि जिनका वर्तमान में परीक्षण नहीं हो रहा था, अब सालाना 500 नमूनों की जांच की जाएगी। फार्मास्यूटिकल्स नमूनों की जांच क्षमता भी 50 से बढ़ाकर 1,000 नमूने प्रतिवर्ष की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि लैब में अत्याधुनिक तकनीक और मशीनरी लगाई जाएगी। इससे छत्तीसगढ़ में नकली दवाओं और मिलावटी खाद्य पदार्थों पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। यह प्रयोगशाला न केवल राज्य में सुरक्षा बढ़ाएगी, बल्कि मध्य भारत के अन्य राज्यों के लिए भी एक रिफरेंस सेंटर के रूप में कार्य करेगी। जैसवाल ने कहा कि लैब निर्माण का कार्य तेजी से पूरा किया जाएगा और जल्द ही सभी विभागीय कार्यों और अनुमोदनों के बाद इसका उद्घाटन होगा। यह कदम राज्य सरकार की स्वास्थ्य सुरक्षा और सार्वजनिक हित को सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस परियोजना के शुरू होने से न केवल दवा और खाद्य सुरक्षा में सुधार आएगा, बल्कि राज्य में उद्योगों और स्वास्थ्य क्षेत्र में भी विश्वास बढ़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह लैब मध्य भारत में स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

राष्ट्रव्यापी बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान परीक्षा 7 को

कोरबा

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत राष्ट्रव्यापी बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान परीक्षा 07 दिसंबर को प्रातः 10 बजे से शाम 05 बजे तक जिला के सभी शासकीय प्राथमिक शालाओं में आयोजित की गई है।

जिला परियोजना अधिकारी साक्षरता मिषन प्राधिकरण कोरबा ने बताया कि इस राष्ट्रव्यापी बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान परीक्षा में सचिवालय राज्य साक्षरता मिषन प्राधिकरण रायपुर के द्वारा कोरबा जिले को 27960 परीक्षार्थियों का लक्ष्य दिया गया है। तद्नुसार कोरबा विकासखंड को 5517, करतला को 6156, कटघोरा को 7106, पाली को 5657 और पोंड़ीउपरोड़ा को 3524 परीक्षार्थियों को परीक्षा में सम्मिलित कराने का लक्ष्य दिया गया है।

पक्की सड़कों ने जुड़ा गांव–गांव, बढ़ी व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीणों में बड़ी नई उम्मीद

रायपुर, पहाड़ों, वनाच्छादित और दूरस्थ भौगोलिक स्थितियों के कारण लंबे समय तक संपर्कहीनता की समस्या से जूझता रहा एमसीबी जिला। कई गांव ऐसे थे जहां पहुंचना मौसम के भरोसे होता था। बरसात में सड़कें कट जाती थीं, लोग घरों में कैद हो जाते थे और रोगी, छात्र, किसान सभी कठिनाइयों का सामना करते थे। ग्रामीण जीवन की धड़कन बनी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना पिछले कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ने इस जिले का भूगोल ही बदल दिया। आज मनेन्द्रगढ-चिरमिरी-भरतपुर जिले के अधिकांश गांव पक्की सड़कों से जुड़ चुके हैं और जहां कार्य शेष है, वहां निर्माण युद्धस्तर पर जारी है। यहां सड़कों का जाल सिर्फकंक्रीट या डामर का ढांचा नहीं है बल्कि यह गांवों की नई किस्मत है, ग्रामीण जीवन की धड़कन है और विकास की असली आधार है। पहाड़ी रास्तों से पक्की सड़क तक -एक परिवर्तन की कहानी एमसीबी जिले की ऊबड़-खाबड़ पहाड़ियों, दुरूह घाटियों और गहरे जंगलों में बसे गांव वर्षों तक मुख्यधारा से दूर रहे। गांवों तक पहुँचने के लिए कभी पगडंडी, कभी नदी का उफान और कभी पहाड़ी रास्तों का सहारा लेना पड़ता था। पीएमजीएसवाई के तहत जब सड़कों का सर्वेक्षण शुरू हुआ, तो ग्रामीणों के बीच उम्मीद की एक नई किरण जागी। आज वही

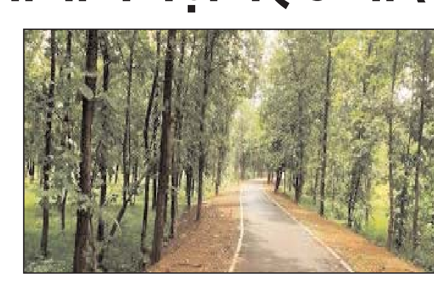

गांव पक्की सड़कों से जुड़ चुके हैं। अब छोटे वाहनों से लेकर एम्बुलेंस और कृषि वाहन तक आराम से पहुंचते हैं। बरसात के मौसम में भी आवागमन बाधित नहीं होता। स्कूल, अस्पताल, बाजार और तहसील सबकी दूरी कम हो गई है। यह बदलाव सिर्फयात्रा में समय घटने का नहीं, बल्कि जीवन की गुणवत्ता बढ़ने का है। किसानों की बढ़ी आर्थिक रफ्तार -बाजार हुआ पास पहले किसान खेतों से उपज को बैलगाड़ी या अपने सिर पर उठाकर ले जाते थे। कई बार फसल मंडी तक पहुंचते-पहुंचते खराब भी हो जाती थी। नई सड़कों का प्रभाव कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी रहा, जिसमें ट्रैक्टर, पिकअप, मिनी ट्रक अब गांव तक पहुंच रहे हैं। धान, कोदो-कुटकी, मक्का, सब्जियां और लघु वनोपज आसानी से मंडी पहुंच रही हैं। परिवहन लागत कम होने से अब किसानों की बचत बढ़ी है।

रायपुर एयरपोर्ट पर इंडिगो फ्लाइट की देरी से हंगामा

रायपुर एयरपोर्ट पर आज इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइटों में देरी और रद्द होने के कारण पैसेंजरों में भारी हंगामा देखने को मिला। दोपहर की कई फ्लाइटें अब तक उड़ान भरने में सक्षम नहीं हो पाईं, जिससे बैंगलोर, दिल्ली, चेन्नई और कोलकाता जाने वाले यात्री एयरपोर्ट पर लंबे समय से इंतजार करते रहे। यात्री बताते हैं कि उन्हें इंडिगो द्वारा फ्लाइट डिले या कैंसिल होने की समय पर सूचना नहीं दी गई, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ गई। एयरपोर्ट के वेटिंग एरिया में यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी और कुछ यात्री नाराज होकर एयरपोर्ट प्रशासन और एयरलाइंस दोनों से अपनी शिकायतें कर रहे थे। इस दौरान यात्रियों का कहना था कि इंडिगो फ्लाइट की देरी के बारे में पूर्व में जानकारी नहीं देने से उन्हें अपनी योजनाओं में बाधा आई है। कई यात्रियों को अपने काम और यात्राओं के लिए अत्यधिक असुविधा का सामना करना पड़ा। एयरपोर्ट पर इंतजार कर रहे यात्री इस दौरान असहज स्थिति में थे। एयरपोर्ट प्रशासन ने यात्रियों को शांत करने और स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास किए, लेकिन इंडिगो की फ्लाइटों में देरी के कारण माहौल तनावपूर्ण रहा।

महिला समूह की सदस्य के परिजन को पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना से मिला दो लाख रुपये का लाभ

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना कठिन समय में बना मजबूत सहारा

रायपुर, संवाददाता

ग्रामीण महिलाओं की सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए चलाई जा रही प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना लगातार सकारात्मक परिणाम दे रही है। यह योजना विशेष रूप से स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की सदस्य महिलाओं के लिए आर्थिक सुरक्षा का मजबूत माध्यम बनती जा रही है। इसी कड़ी में मनेन्द्रगढ़- चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम पंचायत मनवारी के जीवन माँ दुर्गा महिला स्वयं सहायता समूह की सक्रिय सदस्य रही स्वर्गीय इन्द्रावती विश्वकर्मा के परिवार को योजना के तहत् बीमा का लाभ प्रदान किया गया। श्रीमती इन्द्रावती की स्वाभाविक निधन के बाद उनके नामित वारिस रामज्ञया विश्वकर्मा को योजना के तहत दो लाख रुपये की बीमा दावा राशि प्रदान की गई।

आर्थिक कठिनाइयों के समय यह सहायता परिवार के लिए एक बड़ी राहत बनी, जिससे वे दैनिक जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करने तथा भविष्य की योजना बनाने में समर्थ हो सके। इस बीमा दावा प्रक्रिया को सुगम और

समयबद्ध तरीके से पूरा करने में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बी.आर.एल.एम.) के अधिकारी-कर्मचारी कैडर और छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक, शाखा केल्हारी के प्रबंधक राजकमल राजीव का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनकी सक्रिय पहल ने परिवार तक योजना का लाभ समय पर पहुँचाने में अहम भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना न केवल महिलाओं को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करती है, बल्कि अप्रत्याशित परिस्थितियों में परिवार को संबल देकर सामाजिक सुरक्षा को भी मजबूत बनाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को इस योजना से जुड़ने हेतु लगातार जागरूकता कार्यक्रम, समूह बैठकों और परामर्श शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह पहल एसएचजी की दीदियों और उनके परिवारों के लिए नई उम्मीद और विश्वास का आधार बन रही है।

विधायक कश्यप ने ग्राम सरखों एवं सिउंड़ में बनने वाले गौरव पथ का किया भूमिपूजन

जांजगीर-चांपा /

विधायक ब्यास कश्यप ने ग्राम सरखों एवं सिउंड़ में मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना अंतर्गत 52 लाख रूपये की लागत से बनने वाले सी.सी.रोड का भूमिपूजन किया। ज्ञात हो कि ग्राम सरखों के सरपंच श्रीमती प्रीति बल्लू राठौर एवं ग्राम सिउंड़ के सरपंच श्री नकुल सूर्यवंशी ने ग्रामवासियों सहित विधायक ब्यास कश्यप से मुलाकात कर ग्राम विकास के लिए सी.सी. रोड निर्माण कराने की मांग रखी थी। ग्रामवासियों की मांग पर त्वरित संज्ञान लेते हुए विधायक ब्यास कश्यप ने ग्राम सरखों में फक़ीर के घर से लेकर बैगा पारा तक तथा ग्राम सिउंड़ में मुख्य नहर पुल से गोसाईं तालाब की ओर सी.सी.रोड सह नाली निर्माण के लिए प्रस्ताव पंचायत मंत्री श्री विजय शर्मा को सौंपा तथा इसकी शीघ्र स्वीकृति के लिए अनुरोध किया। ब्यास कश्यप की मांगों पर विचार करते हुए पंचायत मंत्री ने मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना अंतर्गत उक्त दोनों कार्यो के लिए 51 लाख 69 हजार रूपये राशि की स्वीकृति प्रदान की, जिसमें ग्राम सरखों में फक़ीर के घर से बैगा पारा तक नाली सह सी.सी. रोड निर्माण के लिए 24 लाख 52 हजार रूपये तथा ग्राम सिउंड़ में मुख्य नहर पुल से गोसाईं तालाब की ओर सी.सी. रोड सह नाली निर्माण के लिए 27 लाख 17 हजार रूपये शामिल हैं।

उपरोक्त दोनों कार्यो के लिए भूमिपूजन विधायक ब्यास कश्यप के द्वारा किया गया है। ग्राम सरखों में भूमिपूजन कार्यक्रम में गांव के सरपंच श्रीमती प्रीति बल्लू राठौर, क्षेत्रीय जनपद पंचायत सदस्य श्रीमती पूर्णिमा रामकृपाल सिंह, उप सरपंच रिकी गोलू लाठिया, लाला साहू, अरविंद धीवर, योगेश रत्नाकर, रामकृपा करियारे सहित अन्य ग्रामवासी तथा ग्राम पंचायत सिउंड में भूमिपूजन कार्यक्रम में गांव के सरपंच नकुल हंसराज, क्षेत्रीय जनपद पंचायत सदस्य श्रीमती बृहस्पति श्यामनाथ कश्यप, सचिव उत्तम कुमार गोयल, उप सरपंच संतोष राठौर, चंदराम कश्यप, कुश साहू, दुकालूराम धीवर सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

किसानों की समस्याओं को लेकर पामगढ़ विधायक हरबंश ने कलेक्टर को लिखा पत्र

जांजगीर चांपा।

पामगढ़ विधायक श्रीमती शेषराज हरवंश ने धान खरीदी केन्द्रो में धान बेचने में किसानों को फसल रकबा एवं फसल एंट्री में गिरदावरी और डिजिटल क्राप सर्वे (डीजीएस) के समायोजन में तकनीकी त्रुटि सुधार के लिए कलेक्टर को पत्र लिखकर किसानों को आ रही समस्याओं का त्वरित निराकरण करने की मांग की है। पामगढ़ विधायक श्रीमती हरवंश ने कलेक्टर को लिखे पत्र कहा है कि वर्तमान में धान खरीदी केन्द्रों में धान खरीदी का कार्य प्रारंभ हो चुका है,परंतु अधिकांश किसानों को धान बेचने में कई प्रकार की दिक्कतें आ रही है। जिससे कृषक वर्ग परेशान हो रहे है

उन्होंने कलेक्टर को लिखे पत्र में बताया कि डिजिटल क्राप सर्वे (डीजीएस) के दौरान फसल एंट्री में कुछ रकबा का ÷अन्य धान÷ एंट्री किया गया था, जो कि विभाग से एप्रुवल भी हुआ है। परन्तु वर्तमान में एकीकृत पोर्टल में अन्य धान के बजाय ÷अन्य फसल÷ दिखा रहा है, जिससे किसान के उक्त रकबे के फसल को धान खरीदी केन्द्र में नहीं लिया जा रहा है। किसान इसके सुधार एवं भौतिक सत्यापन हेतु इधर-उधर भटक रहे है।

पोर्टल में पंजीकृत रकबा का वर्तमान में भौतिक सत्यापन कर पाना भी संभव प्रतीत नही हो रहा है, क्योंकि अधिकांश फसल कट चुकी है।

विधायक हरबंश ने कहा कि संबंधित विभाग को निर्देशित किया जाए कि एकीकृत पोर्टल में प्रदर्शित ÷अन्य फसल÷ को अन्य धान मानकर किसानों से धान खरीदी की जाए। किसानों को धान बेचने में एक बहुत बड़ी समस्या सामने आ रही है, वह है रकबा की। किसानों का रकबा ही गायब हो जा रहा है। इसके साथ ही गिरदावरी एवं डीजीएस सर्वे में मेल नही हो रहा है। इन सभी का खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। सभी किसानों के पास धान भंडारण एवं रख रखाव की सुविधा नही होती। ऐसे में उनकी कड़ी मेहनत की कमाई का उचित लाभ नही मिल पाएगा और अंत में सरकार को धान नही बेच पाने के कारण अपनी खुन-पसीने की कमाई को उल-जूलूल भाव में बिचौलियों को बेचने मजबूर हो जाएगें। उन्होंने कलेक्टर से मांग की है कि धान खरीदी केन्द्रो में धान बेचने में किसानों को आ रही समस्याओं का त्वरित निराकरण करे ताकि उनके मेहनत की कमाई का सही दम मिल सके।

धान खरीदी केन्द्रो में प्रति दिवस खरीदी का लिमिट बढ़ाई जाए : हरबंश

पामगढ़ विधायक शेषराज हरवंश ने कलेक्टर से मांग की है कि वर्तमान में सभी धान उपार्जन केन्द्रों में प्रति दिवस धान खरीदी का लक्ष्य रखा गया है वह पर्याप्त नही है। वर्तमान में किसानों का 80 प्रतिशत धान कट चुका है तथा किसानों का टोकन कम कटने के कारण खरीदी केन्द्रों में धान बेच नही पा रहे है। इससे किसानों की समस्याएँ बढ़ रही है। इस प्रकार धान उपार्जन केन्द्रों में धान विक्रय के संबंध में अनेक किसानों को समस्याएँ हो रही है।

किसानों की समस्याओं को ध्यान रखते हुए धान उपार्जन केन्द्रों में प्रति दिवस धान खरीदी लिमिट बढ़ाई जाए ताकि निर्धारित समय में किसान अपना धान सहजता से बेच सके।

रासेयो की सात दिवसीय विशेष शिविर का हुआ समापन

तालाब पचरी घाट, मंदिर परिसर, हैण्डपम्प परिसर साफ कर दिया स्वच्छता का संदेश

लोकशक्ति

जांजगीर चांपा/

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई सुखरीकला का विशेष सात दिवसीय शिविर ग्राम सिधरामपुर मे आयोजित कार्यक्रम का समापन ग्राम सरपंच श्रीमति कविता मरावी तथा 80 वर्षीय वयोवृद्ध सुवासिन बाई मन्नेवार, एवं दुलौरिन बाई मन्नेवार के मुख्य आतिथ्य तथा विशिष्ट अतिथि टेम लाल चौहान अध्यक्ष शिक्षा समिति सुखरीकला ,संतोष सोनंत उपसरपंच सुखरीकला, तिरथराम तांब्रे, घासीराम तांब्रे,बलराम मरावी सरपंच प्रतिनिधि, आरके चंद्रा प्रधान पाठक सिधरामपुर, सेवानिवृत्त प्रधान पाठक एलएन मन्नेवार तथा संस्था प्रमुख प्राचार्य बीएल चौधरी के अध्यक्षता मे सम्पन्न किया गया।स्वयंसेविका रागिनी बरेठ ,सुमन कंवर एवं साथी के द्वारा रंगारंग पारंपरिक सुआ नृत्य, करमा नृत्य का मनमोहक प्रस्तुतीकरण किया गया साथ ही साथ प्राथमिक शाला सिधरामपुर के नन्हे मुन्ने बच्चो के द्वारा सात दिवस तक रंगारंग नृत्य के छटा बिखेरे।

इससे पहले रासेयो स्वयंसेवको के द्वारा प्रतिदिन परियोजना कार्य के तहत ग्राम सिधरामपुर के मुख्य गलियो मे प्रभात फेरी के साथ ही साथ देवालय मंदिर की सफाई, तालाब घाट पचरी की साफ-सफाई, तालाब किनारे तथा स्कुल परिसर मे लगे पेड़ो पर चबुतरा निर्माण कर कई रचनात्मक कार्य किया गया। तथा सुखरीकला मे विशाल शराब नशा मुक्ति रैली, तथा विश्व एड्स दिवस पर डॉ शरद चंद्र के मार्गदर्शन मे शाआयुर्वेदिक औषधालय सुखरीकला के द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवा वितरण किया गया।बौद्धिक गोष्ठी कार्यक्रम मे पी पटेल सेवानिवृत्त प्राचार्य तुमान, मनोज गुप्ता, जगन्नाथ हिमधर राज्यपाल पुरूस्कृत प्राचार्य, श्रीमति गीता हिमधर, श्रीमति यशोदा राठौर, डीसी बंजारे पूर्व कार्यक्रम अधिकारी, धरम लहरे पूर्व कार्यक्रम अधिकारी कोथारी,केएम यादव पूर्व प्राचार्य ढिटोरी, सहित अतिथि वक्ताओ ने बौद्धिक परिचर्चा मे ब्याख्यान दिये। कार्यक्रम मे मंच संचालन स्वयंसेवक आर्यन टण्डन, रघुबीर सिह कंवर, गौकरण बरेठ, रागिनी बरेठ, सुमन कंवर आभार प्रदर्शन प्राचार्य बीएल चौधरी ने की।कार्यक्रम को सफल बनाने मे ग्राम सिधरामपुर के सरपंच कविता मरावी, उपसरपंच घासी राम पटेल, सरपंच प्रतिनिधि बलराम मरावी, पूर्व सरपंच समयसिह सिदार, अंजोर सिंह मरकाम सरपंच सुखरी कला, संतोष सोनंत उपसरपंच सुखरीकला, आरके राठौर रासेयो कार्यक्रम अधिकारी, एमआर राज, सहायक कार्यक्रम अधिकारी, डीएल कंवर शिविर संयोजक, व्खायाता केएस कंवर, एल डहरिया, अश्वनी लहरे, एलएन सोनकर, श्रीमति एम अवस्थी, श्रीमति अनिता साहू, श्रीमति जयोति सोनी, श्रीमति रंजना पाण्डेय, एस के कालेलकर पीटीआई, संजय कर्ष, पुरूषोत्तम कंवर, भृत्य नान बाई प्रधान रघुनाथ बरेठ ,अरविंद,पुनीतराम सहित स्वयंसेवक आर्यन टंडन, रघुबीर सिंह कंवर, खोमंत मन्नेवार, ओमकिशन मन्नेवार, उमेश कुमार, रागिनी बरेठ, सुमन कंवर, सहित सभी स्वयंसेवको तथा पंचायत के पंचगण तथा ग्रामवासियो का सक्रिय सहयोग रहा।

जांजगीर में कांग्रेसजनो ने मनाई डां अंबेडकर जी का महापरिनिर्वाण दिवस

जांजगीर चांपा / संविधान निर्माता,भारत रत्न बाबा साहब डा भीमराव अम्बेडकर जी का महापरिनिर्वाण दिवस पर उनके प्रतिमा में पुष्प माला अर्पित कर मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जांजगीर चांपा विधायक ब्यास कश्यप, जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व कार्यकारी जिला अध्यक्ष रमेश पैगवार,पुर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश शर्मा, डॉ परस शर्मा, रफीक सिद्धकी, शिशिर द्विवेदी, महारथी बघेल,जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष पंकज शुक्ला,देव कुमार पांडे,प्रिंस शर्मा ,शत्रुहन दास महंत,विजय प्रकाश तिवारी, पार्षद विष्णु यादव, अरमान खान,मुस्कान परवीन, मनोरमा पाटेकर, राजा सिद्धकी,किशोर साव , शांति साहू, महेंद्र कश्यप,धीरज सिंह, सौरभ सिंह, कमलेश ताम्रकार, आदि प्रमुख कांग्रेसजन, उपस्थिति हुए ।

समितियों की होगी ग्रेडिंग-उत्कृष्ट कार्य करने वालों का होगा सम्मान

कलेक्टर महोबे की अध्यक्षता में धान खरीदी व्यवस्था पर जिला स्तरीय प्रशिक्षण एवं बैठक आयोजित

प्रशिक्षण में तकनीकी समस्याओं का किया गया तत्काल निराकरण

कोचियों-बिचौलियों पर लगातार जारी रहेगी कड़ी कार्यवाही

जांजगीर-चांपा ।

समर्थन मूल्य पर जारी धान खरीदी के संबंध में कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे की अध्यक्षता में आज ऑडिटोरियम में व्यापक प्रशिक्षण एवं बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्व, सहकारिता, खाद्य, मार्कफेड, मंडी, समिति प्रबंधक, धान खरीदी प्रभारी, ऑपरेटर एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि खरीदी प्रक्रिया के प्रत्येक चरण पंजीयन, सत्यापन, तौल, भंडारण, परिवहन और भुगतान की कड़ी निगरानी की जा रही है। उन्होंने बताया कि खरीदी से लेकर उठाव तक की सभी गतिविधियों पर निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की संभावना समाप्त हो सके।

प्रशिक्षण में तकनीकी समस्याओं का किया समाधान

प्रशिक्षण में विभिन्न तकनीकी प्रक्रियाओं पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया गेट पास ऐप से फोटो एंट्री, स्टॉक एंट्री एवं किस्मवार स्टैकिंग, यूएफआर प्रगति, पीसी-एसएपी डेटा प्रविष्टि, रकबा समर्पण, सतर्क एप एवं धान खरीदी से संबंधित अन्य प्रक्रियाएँ।प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न केंद्रों से प्राप्त समस्याओं और कठिनाइयों का तत्काल निराकरण भी किया गया।

यूएफआर पंजीयन को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश

कलेक्टर श्री महोबे ने निर्देश दिए कि यूएफआर में छूटे किसानों का खसरा जोड़ने का कार्य प्राथमिकता से पूरा किया जाए, ताकि किसानों को धान बेचने में कोई समस्या न आए।यूएफआर पंजीयन के लिए किसानों को बी-1, आधार कार्ड और आधार से लिंक मोबाइल नंबर लाना होगा।उन्होंने कहा कि शेष यूएफआर पंजीयन को मिशन मोड में पूर्ण किया जाए।

गड़बड़ी रोकने के लिए कलेक्टर ने दिए कड़े निर्देश

कलेक्टर ने टीमों को निर्देशित किया कि रकबा समर्पण अभियान प्रभावी रूप से चलाया जाए, जिससे खरीदी में गड़बड़ी की संभावना काफी कम हो जाती है।मंडी और राजस्व टीम को अवैध धान संग्रहण तथा परिवहन पर लगातार कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया।प्रत्येक खरीदी केंद्र में गेट पास में शत-प्रतिशत एंट्री अनिवार्य रूप से की जाए।सतर्क ऐप तथा प्राप्त शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई हो।नोडल अधिकारी संवेदनशील केंद्रों का निरीक्षण कर भौतिक सत्यापन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि किसानों को खरीदी में किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो तथा पूरी प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी रहे।

समितियों की होगी ग्रेडिंग-उत्कृष्ट कार्य करने वालों को मिलेगा सम्मान

कलेक्टर श्री महोबे ने बताया कि जिले में बेहतर कार्य करने वाली समितियों की ग्रेडिंग की जाएगी तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली समितियों को सम्मानित किया जाएगा।साथ ही उन्होंने सुनिश्चित करने को कहा कि खरीदी केंद्रों में किसानो के लिए सभी मूलभूत सुविधाएँ सहित इंटरनेट, कंप्यूटर, प्रिंटर, बिजली आपूर्ति आदि सुचारू रूप से उपलब्ध रहें।

कलेक्टर ने कहा-खरीदी में पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता

अपने संबोधन में कलेक्टर ने दोहराया कि जिले के सभी खरीदी केंद्रों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी ।किसान हमारी प्राथमिकता हैं और उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, यही हमारी जिम्मेदारी है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री आर के तंबोली, संयुक्त कलेक्टर श्री संदीप ठाकुर, सर्व एसडीएम, खाद्य अधिकारी श्री कौशल साहू सहित सभी संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे ।

नर्सिंग होम एक्ट का उलंघन कर अस्पताल का संचालन

जी.एल.डी. हॉस्पिटल पामगढ़ को नोटिस जारी

जांजगीर-चांपा। जिले की एक निजी अस्पताल द्वारा नियमों का उलंघन कर अस्पताल संचालन का मामला सामने आया है । इसके लिए जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) जांजगीर-चांपा द्वारा पामगढ़ स्थित जी.एल.डी. हॉस्पिटल के संचालक के विरुद्ध नर्सिंग होम एक्ट एवं पी.सी.पी.एन.डी.टी. अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन के आरोप में कारण बताओ नोटिस जारी किया है। स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई से जिले के निजी स्वास्थ्य संस्थानों में हड़कंप मच गया है। ज्ञात हो कि जी.एल.डी. हॉस्पिटल का संचालन गोरेलाल डाहीरे द्वारा किया जाता है, जो तत्कालीन ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (बीएमओ) के ससुर भी हैं। इस अस्पताल में कार्यरत चिकित्सकों में स्वयं पामगढ़ की बीएमओ डॉ. रश्मि डाहीरे तथा उनके पति डॉ. कमल कुमार डाहीरे भी शामिल हैं। डॉ. कमल वर्तमान में जशपुर जिले में शासकीय सेवा में पदस्थ हैं। यह परिस्थितियाँ इस बात की ओर संकेत करती हैं कि शासकीय स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावित कर मरीजों को निजी अस्पताल में भेजे जाने की आशंका से विभाग पूरी तरह से चिंतित है।

इसी बीच, पिछले माह अस्पताल में इलाज के दौरान एक मरीज की मृत्यु के बाद परिजनों द्वारा असंतोष जताए जाने पर भारी विवाद की स्थिति निर्मित हो गई थी। देखते ही देखते हालात बिगड़ने लगे, जिसे प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद नियंत्रित किया गया। इस घटना ने भी अस्पताल के कार्यप्रणाली को लेकर संदेह और गहरा कर दिया था। सीएमएचओ कार्यालय द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि अस्पताल संचालन हेतु प्रस्तुत आवेदन में डॉ. रश्मि डाहीरे को पर्यवेक्षी चिकित्सक के रूप में दर्शाया गया था। आवेदन प्रस्तुत किए जाने के समय वे शासकीय सेवा में नहीं थीं, किंतु वर्तमान में पुनः शासकीय पद पर पदस्थ होकर अपने पदीय दायित्वों का निर्वहन कर रही हैं। नियमों के अनुसार, पर्यवेक्षी चिकित्सक के सेवा पद, स्थिति अथवा उपलब्धता में कोई भी परिवर्तन होने पर इसकी तत्काल सूचना संबंधित कार्यालय को देना अनिवार्य है। यह जानकारी अस्पताल प्रबंधन द्वारा आज दिनांक तक उपलब्ध नहीं कराई गई, जिसे विभाग ने गंभीर लापरवाही माना है। नोटिस में हॉस्पिटल संचालक को तीन दिवस के भीतर स्वयं उपस्थित होकर संतोषजनक स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए गए हैं।

पत्र में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि निर्धारित समयावधि में जवाब संतोषजनक नहीं पाया जाता, तो संस्थान के विरुद्ध नर्सिंग होम एक्ट और पी.सी.पी.एन.डी.टी. अधिनियम के तहत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी अस्पताल प्रबंधन की होगी। इस नोटिस की प्रतिलिपि स्वास्थ्य सेवाएं, स्वास्थ्य भवन रायपुर, कलेक्टर जांजगीर-चांपा सहित सभी संबंधित अधिकारियों को भेजी गई है, ताकि प्रकरण की निगरानी उच्च स्तर पर भी रहे। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि निजी स्वास्थ्य संस्थानों में पर्यवेक्षी चिकित्सकों की नियुक्ति, सेवा परिवर्तन और उपलब्धता से संबंधित सूचनाएँ पारदर्शी रूप से उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। यह न केवल नियमों का पालन सुनिश्चित करता है, बल्कि मरीजों की सुरक्षा एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था के लिए भी अनिवार्य है। बहरहाल आगे कार्यवाही के बाद ही यह सामने आयेगा कि स्वास्थ्य सेवा जैसे विषय पर नियमों का उलंघन कर अस्पताल संचालन के जिम्मेवारों पर कार्यवाही के लिए विभागीय अमला कितनी गंभीर है ।

खास खबर

रजत जयंती महोत्सव : बारी उमराव क्षेत्र में किया गया पौधरोपण

कोरबा, रजत जयंती महोत्सव के अंतर्गत वन परिक्षेत्र चैतमा के परिसर बारीउमराव के कक्ष क्रमांक ओए - 541 में एक पेड़ छत्तीसगढ़ महतारी के नाम पौधा रोपण किया गया। इसमें मिडिल स्कूल के विद्यार्थियों, शिक्षकगण व जनप्रतिनिधियों एवं गामान्य नागरिकों के द्वारा चैतमा परिक्षेत्र के अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थिति में मिश्रित व फलदार प्रजाति के 200 नग पौधे का रोपण किया गया।

इसमें जनप्रतिनिधि श्रीमती फूलबाई कंवर जनपद सदस्य क्षेत्र क्रमांक 13, राजकुमार कंवर पूर्व जनपद सदस्य क्षेत्र क्रमांक 13, जानकीबाई मरकाम सरपंच बारी उमराव, सुखदेव सिंह मरावी वन प्रबंधन समिति अध्यक्ष बारी उमराव, महावीर सिंह गोंड़ वन प्रबंधन समिति अध्यक्ष सुरका, परदेशी धनवार वन प्रबंधन समिति अध्यक्ष हाथीबाड़ी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

तहसील पाली में अवैध धान भंडारण पर कार्यवाही, 241 बोरी (107 क्विंटल) धान जप्त

कोरबा । तहसील पाली क्षेत्र में अवैध धान भंडारण पर लगातार कार्रवाई करते हुए बुधवार 03 दिसंबर को ग्राम परसदा में थोक व्यापारी अजय किराना (संचालक- द्वारिका जायसवाल) के प्रतिष्ठान में अवैध रूप से संग्रहित 241 बोरी धान (लगभग 107 क्विंटल) पाया गया।

मंडी अधिनियम के अंतर्गत यह कार्यवाही अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाली श्री रोहित सिंह के निर्देशन में तहसीलदार श्री भूषण सिंह मंडावी, नायब तहसीलदार श्री सुजीत पाटले, मंडी निरीक्षक श्री दिनेश, खाद्य निरीक्षक तथा हल्का पटवारी की संयुक्त टीम द्वारा की गई। अवैध रूप से संग्रहीत धान को नियमानुसार जप्त कर पंचनामा तैयार किया गया एवं आगे की कार्रवाई हेतु प्रकरण संबंधित विभाग को प्रेषित किया जा रहा है।

कबाड़ माफिया पर बड़ी कार्यवाही, रेल पटरियों के भारी लोहे और गैस सिलेंडरों से भरा एक वाहन बिना नंबर का जप्त

कोरबा कोरबा-दर्री थाना क्षेत्र से एक बार फिर कबाड़ माफिया पर बड़ी कार्यवाही की गयी हैं। जानकारी के अनुसार पुलिस ने देर रात पेट्रोलिंग के दौरान लगभग 2 बजे रेल पटरियों के भारी लोहे और गैस सिलेंडरों से भरा एक वाहन बिना नंबर का पकड़ा है।

बताया जा रहा हैं की प्राथमिक जांच में सामने आया है कि यह पूरा माल चोरी कर अवैध रूप से कबाड़ के रूप में बेचने की तैयारी की जा रही थी। जानकारी के अनुसार वाहन में बड़ी मात्रा में रेल लाइन का कटा हुआ लोहा और गैस सिलेंडर लोड था। पुलिस को देखते ही वाहन चालक फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। इस कार्यवाही के दौरान पुलिस ने नीलगिरी बस्ती, फर्टिलाइजर के निकट टेकरा मोहल्ला में स्थित रावन नामक युवक के घर से करीब 20 नग कटी हुई रेल पटरियाँ बरामद की हैं। सभी सामान को जब्त कर थाना लाया गया है। कुछ दिन पहले बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र में भी रेलवे पटरियों और गैस सिलेंडर से भरा वाहन पकड़ा गया था। लगातार हो रही बरामदगी यह साफकरती है कि जिले में कबाड़ चोरी का एक बड़ा संगठित नेटवर्क सक्रिय है, जो रेलवे संपत्ति को लगातार निशाना बना रहा है।

प्रभारी सचिव व महापौर ने किया इको स्टेप्स का शुभारंभ

0 निगम के 05 प्रमुख उद्यानों का संधारण, संरक्षण करेंगे बैंकर्स

0 कार्यक्रम में कलेक्टर, आयुक्त, सभापति सहित पार्षदों, जनप्रतिनिधियों की रही विशिष्ट उपस्थिति

कोरबा संवाददाता।

छत्तीसगढ़ शासन के प्रमुख सचिव एवं कोरबा जिला के प्रभारी सचिव श्री रोहित यादव एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने निगम की अभिनव योजना '' इको स्टेप्स '' बैंकर्स ग्रीन एप्रोच का शुभारंभ किया। इस मौके पर कलेक्टर श्री अजीत वसंत, आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय, सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, सी.ई.ओ. जिला पंचायत दिनेश नाग, वरिष्ठ पार्षद अशोक चावलानी व नरेन्द्र देवांगन, एम.आई.सी.सदस्य हितानंद अग्रवाल, सरोज शांडिल्य, ममता यादव, पार्षद पकंज देवांगन, वर्षा दिनेश वैष्णव, सुभाष राठौर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की विशिष्ट उपस्थिति रही। नगर पालिक निगम कोरबा एवं सहयोगी बैंकों की संयुक्त पहल पर '' इको स्टेप्स '' बैंकर्स ग्रीन एप्रोच की अभिनव योजना संचालित की गई है, इसके अंतर्गत निगम के उद्यानों के संधारण, संरक्षण, संचालन आदि की महती जिम्मेदारी विभिन्न बैंकों को दी गई है। संबंधित बैंक इन उद्यानों के संधारण, संरक्षण व वहॉ पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य अपने स्वयं के व्यय व स्त्रोतों से करेंगे, इससे एक ओर जहॉ नागरिकों को उद्यानों में बेहतर सुविधाएं मिलेगी, वहीं दूसरी ओर इन उद्यानों के संधारण, संचालन व संरक्षण में निगम द्वारा व्यय की जाने वाली लाखों रूपये की राशि की बचत होगी। आज घंटाघर निहारिका मुख्य मार्ग पर स्थित स्मृति उद्यान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ शासन के प्रमुख सचिव व कोरबा जिला प्रभारी सचिव श्री रोहित यादव एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के द्वारा उक्त योजना का विधिवत शुभारंभ किया गया, प्रभारी सचिव, महापौर व अन्य अतिथियों ने बैंकर्स प्रतिनिधियों को पौधेयुक्त गमले भेंटकर योजना का शुभारंभ कराया।

इको स्टेप्स - निगम का बेहतरीन कदम - इस मौके पर प्रभारी सचिव श्री रोहित यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि '' इको स्टेप्स '' बैंकर्स ग्रीन एप्रोच की यह योजना नगर पालिक निगम कोरबा का एक बेहतरीन कदम है, इससे उद्यानों की व्यवस्थाओं में और अधिक सुधार आएगा, सुविधाएं बेहतर हो सकेंगी। उन्होने कहा कि वर्तमान में आम जनमानस अपने स्वास्थ्य को लेकर बेहद जागरूक हो चुका है, उन्हें उनकी स्वास्थ्य गतिविधियों के लिए एक सुविधायुक्त स्थल उपलब्ध कराना आवश्यक है, निगम के इस कदम से उद्योनों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी, जिसका सीधा लाभ लोगों को मिलेगा। इस मौके पर प्रभारी सचिव श्री यादव ने स्वच्छ सर्वेक्षण की रैंकिंग में कोरबा को आठवॉ स्थान प्राप्त होने की बधाई देते हुए कहा कि इस उपलब्धि को प्राप्त करने में कोरबा के सभी पार्षदों, जनप्रतिनिधियों विशेषकर यहॉ के नागरिकों एवं निगम के अधिकारी कर्मचारियों की एक बड़ी सहभागिता रही है, जिसके लिए मैं आप सभी को साधुवाद देता हूॅ।

स्वच्छ, सुंदर, प्रदूषणमुक्त कोरबा हेतु सबकी सहभागिता जरूरी - इस मौके पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वच्छ, सुंदर एवं प्रदूषणमुक्त कोरबा की संकल्पना को पूरा करने हेतु सबकी सहभागिता अत्यंत जरूरी है, कोरबा के हमारे नागरिकबंधुओं को बेहतर सुविधाएं मिले, इस दिशा में नगर निगम लगातार कार्य कर रहा है। '' इको स्टेप्स '' योजना के तहत निगम द्वारा अभी फिलहाल 05 प्रमुख उद्यानों को संधारण, संरक्षण हेतु बैंकों को दिया गया है, उन्होने इस मौके पर बैंक के प्रतिनिधियों से आग्रह करते हुए कहा कि वे उन्हें सौपे गए दायित्वों का पूरी इच्छाशक्ति के साथ निर्वहन करते हुए कोरबा के नागरिकबंधुओं को उद्यान से जुड़ी बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने में अपनी महती सहभागिता दें।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर कोरबा में विविध कार्यक्रमों का आयोजन

कोरबा संवाददाता।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस का आयोजन समाज कल्याण विभाग कोरबा एवं स्कूल शिक्षा विभाग कोरबा के संयुक्त तत्वावधान में साडा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, टी.पी. नगर, कोरबा में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर पालिक निगम कोरबा की महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिक निगम कोरबा के सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर द्वारा की गई। विशिष्ट अतिथि के रूप में पार्षद श्री नरेन्द्र देवांगन एवं श्रीमती प्रेमलता बंजारे उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ उपसंचालक समाज कल्याण श्री हरीश कुमार सक्सेना एवं सचिव, विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा सुश्री डिंपल भेड़िया द्वारा माता सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन कर किया गया। इनरव्हील एजुकेशन सोसायटी, अंकुर स्पेशल स्कूल एवं उमंग दिव्यांग विद्यालय द्वारा बनाए गए चित्रों एवं अन्य कलाकृतियों का स्टॉल लगाया गया, जिसका अवलोकन अतिथियों द्वारा किया गया।

विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा निःशक्तजन अधिकार अधिनियम 2016 की जानकारी बच्चों को प्रदान की गई। सचिव श्रीमती भेड़िया द्वारा श्रवणबाधित बच्चों की 50 मीटर दौड़ प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। विशेष विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आकर्षक प्रदर्शन किया गया।

जिला शिक्षा अधिकारी श्री टी.पी. उपाध्याय ने समग्र शिक्षा मिशन अंतर्गत दिव्यांग छात्रों के लिए संचालित योजनाओं एवं सहयोगात्मक व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी दी। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में दिव्यांग बच्चों के उत्साह, प्रतिभा एवं उनकी उपलब्धियों की प्रशंसा की तथा समाज एवं शासन द्वारा प्रदत्त सहयोग को प्रभावी बताया।

मुख्य अतिथि महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि दिव्यांगजन अपनी प्रतिभा एवं दृढ़ संकल्प से नई ऊँचाइयाँ प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यक्रम के अंत में बच्चों, शिक्षकों, अधिकारीदृकर्मचारियों एवं अभिभावकों को अल्पाहार एवं भोजन कराया गया। सभी प्रतिभागी दिव्यांग छात्रों को मुख्य अतिथि एवं सम्माननीय अतिथियों द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए।

कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी, उपसंचालक समाज कल्याण, जिला मिशन समन्वयक, परिवीक्षा अधिकारी, साडा कन्या उ.मा.वि. के प्राचार्य, इनरव्हील एजुकेशन सोसायटी, अंकुर स्पेशल स्कूल, उमंग विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, समाज कल्याण एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

क्षतिग्रस्त नहर मरम्मत शीघ्र पूरा होगा, खारंग जलाशय से बुझेगी प्यास

बिलासपुर,। पिछले दिनों खारंग जलाशय के दायीं तट के नहर की रिपेयरिंग का कार्य चल रहा था। जिसके चलते नगर निगम की नियमित जलापूर्ति प्रभावित हो रही थी। जो अब पूर्णता की ओर है। अब शीघ्र ही लोगों को नियमित जलापूर्ति की सुविधा निगम द्वारा मुहैया की जाएगी। ज्ञात हो नहर की तली व दिवार 45 मीटर तक क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसकी मरम्मत की जा रही थी। अब 12 दिनों के भीतर रिपेयरिंग का काम लगभग पूरा कर लिया गया है। शीघ्र ही खारंग से नगर निगम क्षेत्र में पानी की सप्लाई की जाएगी। खारंग जलाशय से नगर निगम बिलासपुर को जलापूर्ति को जाती है। लेकिन एनिकट यानी जिस नहर से नगर निगम के ट्रीटमेंट प्लांट तक जलाशय का जलापूर्ति मात्र है यह क्षतिग्रस्त हो गया। इसकी रिपेयरिंग नहीं होने के कारण नहर से पानी का रिसाव हो रहा था। इसके चलते नहर से नगर निगम के लिए निकलने वाले पानी की आपूर्ति में सीधे सीधे प्रभाव पड़ रहा था।इसको देखते हुए जल संसाधन विभाग के खारंग डिवीजन में 21 से नहर की मेंटेनेंस की कार्रवाई शुरू की गई। सुधार कार्य के दौरान नहर बंद रहने के कारण नगर निगम के पानी ट्रीटमेंट प्लांट को पानी नहीं मिल रहा था, इसलिए 20 नवम्बर को शाम से खारंग जलाशय से नहर में जलापूर्ति 13 दिनों के बंद करने का ऐलान किया था।लेकिन विभाग ने 45 मीटर नहर रिपेयरिंग का काम 12 दिनों में पूरा करने का दावा किया है।

3 करोड़ लीटर पानी की होगी आपूर्ति

खारंग से पानी 3 करोड़ 10 लाख लीटर दिया जाता है , जो शहर की प्यास बुझाने का प्रमुख जरिया है। अब जबकि नहर के क्षतिग्रस्त स्थलों का मरम्मत किया जा चुका है। तो अब शीघ्र ही यहां से पानी की सप्लाई अबाधित रूप से की जाने की तैयारी हो चुकी है।

विकासखंड स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 08 दिसंबर को, पंजीयन आज से

कोरबा संवाददाता

विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी कोरबा ब्लाक अंतर्गत विकासखंड स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 08दिसंबर को विद्युत गृह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोरबा क्रमांक 01, में आयोजित किया जायेगा।

प्रतियोगिता में 10 खेल- एथलेटिक्स में 100 मी, 400 मी, तवा फेंक, खो-खो, हॉकी, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, कुश्ती, बास्केटबॉल, फुटबॉल, वेटलिफ्टिंग, रस्साकसी को सम्मिलित किया गया है। महिला खेल प्रतियोगिता अंतर्गत 02 आयुवर्ग 09-18 वर्ष तक एवं 19-35 वर्ष तक महिला-बालिका खिलाड़ियों को भाग लेने की पात्रता होगी।

विकासखंड षिक्षा अधिकारी कोरबा ने बताया कि इच्छुक प्रतिभागी जो प्रतियोगिता में सम्मिलित होना चाहते हैं वे खिलाड़ी अपने साथ आधार कार्ड की छाया प्रति एवं पासपोर्ट साइज फोटो के साथ 05 दिसंबर सेविद्युत गृह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोरबा क्रमांक 01में पंजीयन प्रभारी श्री राजेष पाण्डेय, क्रीड़ा प्रभारी (मो.नं.7999731857) से संपर्क कर पंजीयन कराकर प्रतियोगिता में सम्मिलित हो सकते हैं।

शासकीय कन्या विद्यालय का किया निरीक्षण

भविष्य निर्माण के मार्ग पर छात्राओं को किया प्रेरित

कोरबा । जिले के प्रभारी सचिव डॉ. रोहित यादव ने कटघोरा स्थित श्रीमती सरबती देवी शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। जहाँ उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, शिक्षण प्रक्रिया और छात्राओं की परीक्षा तैयारी का विस्तृत निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान वे कक्षाओं में पहुँचे, जहाँ उस समय रसायनशास्त्र (केमिस्ट्री) की कक्षा चल रही थी। डॉ. यादव ने कक्षा 12वीं की छात्राओं से विषय से जुड़े प्रश्न पूछकर उनकी समझ का आकलन किया। उन्होंने गणित (मैथ्स) और जीवविज्ञान (बायो) विषयों का अध्ययन कर रहीं छात्राओं से भी उनकी पढ़ाई, तैयारी और अध्ययन के तरीकों पर बातचीत की।छात्राओं से भविष्य के लक्ष्य पूछने पर जब कई छात्राओं ने डॉक्टर बनने की इच्छा जताई, तो डॉ. यादव ने चिकित्सा क्षेत्र में प्रवेश की पूरी प्रक्रिया को सरल रूप से समझाया। उन्होंने छात्राओं को तैयारी के आवश्यक चरणों और सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए मार्गदर्शन भी दिया। इस दौरान उन्होंने प्रतियोगी परीक्षा नीट और आईयूपीएसी के पूर्ण रूप भी पूछे, जिनका छात्राओं ने आत्मविश्वास से उत्तर दिया।

डॉ. यादव ने आगामी बोर्ड परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए सिलेबस की प्रगति, कक्षा संचालन, टाइम-टेबल और विद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक वातावरण पर भी विस्तृत चर्चा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नियमित रिवीजन अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि निरंतर अभ्यास न होने पर विद्यार्थी विषयों को भूलने लगते हैं। उन्होंने कहा कि समयबद्ध दोहराव से न केवल याददाश्त मजबूत होती है, बल्कि परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन भी संभव होता है।उन्होंने छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य और आगामी परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएँ दीं। साथ ही उन्होंने विद्यालय के शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के लिए बधाई दिया।

इस दौरान कलेक्टर श्री अजीत वसंत, जिला शिक्षा अधिकारी श्री तामेश्वर उपाध्याय सहित शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहें।

प्रभारी सचिव डॉ. रोहित यादव ने ली जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक

0 हर घर तक सौर ऊर्जा पहुंचाने पर जोर - पीएम सूर्यघर योजना को बढ़ावा देने के निर्देश

0 सभी पात्र परिवारों तक समय पर पहुँचे खाद्यान्न, चावल उत्सव की पहल शुरू करने किया निर्देशित

0 अवैध धान के विक्रय पर रोक लगाने गम्भीरता से कार्यवाही करने के दिए निर्देश

0 आमजन तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करें: -प्रभारी सचिव डॉ. यादव

कोरबा (आरएनएस)। जिले के प्रभारी सचिव एवं राज्य शासन में ऊर्जा, जनसम्पर्क, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक लेकर विभिन्न विभागीय योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने और आमजन को अधिकतम लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डॉ यादव ने कहा कि शासन की योजनाओं का उद्देश्य जनता तक सुविधा पहुँचाना है, इसलिए सभी अधिकारी विशेष प्रयास करते हुए लक्षित समूहों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुँचाएं। उन्होंने योजनाओं की प्रगति, बाधाओं एवं समाधान पर भी विस्तार से चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री अजीत वसंत, पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ तिवारी, वनमण्डलाधिकारी कटघोरा श्री कुमार निशांत, एसडीएम कटघोरा श्री तन्मय खन्ना, निगम आयुक्त कोरबा श्री आशुतोष पाण्डेय, डीएफओ कोरबा श्रीमती प्रेमलता यादव, जिला पंचायत सीईओ श्री दिनेश नाग, अपर कलेक्टर श्री देवेंद्र पटेल सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में प्रभारी सचिव डॉ यादव ने शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने जिले में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन की जानकारी लेते हुए अधिक से अधिक लोगों को योजना से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला प्रशासन को यूटिलिटी-लेड एग्रीगेशन (यूएलए) मॉडल द्वारा व्यक्तिगत आवासीय क्षेत्र के घरों में सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित करने की दिशा में गम्भीरता से कार्य करने की बात कही। उन्होंने कहा कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रो में बड़े पैमाने पर योजना संचालित करने हेतु आमजनो को योजना से होने वाले लाभ एवं सब्सिडी की जानकारी देकर जागरूकता लाने का प्रयास किया जाए। साथ ही हितग्राहियों से अपने घरों में स्थापित सोलर प्लांट की देखरेख भी सुनिश्चित कराने की बात कही। जिससे बिजली का उत्पादन लगातार बनी रहे।

कलेक्टर श्री वसंत ने इस सम्बंध में जानकारी देते हुए बताया कि प्रशासन द्वारा पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। पीएम जनमन योजना के तहत जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के हितग्राहियों के घरों पर भी पीएम सूर्यघर योजना से सोलर पैनल लगाए जा रहे है। वर्तमान में कुल 316 पीएम जनमन आवास में सोलर पैनल स्थापित करने की स्वीकृति दी गई है। आगे भी अन्य जनमन आवासों में सोलर पैनल लगाया जाएगा।

डीएमएफ अंतर्गत किए जा रहे कार्यो की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि जिले में आवागमन व्यवस्था को सुगम बनाने हेतु अनेक सड़को का निर्माण एवं मरम्मत कार्य स्वीकृत किया गया है। शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में मानदेय शिक्षकों एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति की गई है। अनेक जर्जर व पुराने भवनों के स्थान पर नए स्कूल, आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य केंद्र भवन का निर्माण सहित अन्य कार्य किया जा रहा है। डॉ यादव ने पीएम आवास ग्रामीण व शहरी के स्वीकृत और प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा करते हुए शेष आवासों को भी समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन,अमृत सरोवर, पीएम जनमन, एनआरएलएम के गतिविधियों की जानकारी ली। प्रभारी सचिव ने जिले को स्वच्छ व सुंदर बनाए रखने हेतु ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में सतत कार्य करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर के निर्देश पर कसनिया एवं सुतर्रा क्षेत्र के राइस मिलों का किया गया संयुक्त सत्यापन

कसनियामेंअतिरिक्त धान-चावल की हुई पुष्टि, किया गया जब्त

कोरबा संवाददाता

कलेक्टर श्री अजीत वसंत के निर्देशानुसार बुधवार 03 दिसंबर को अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पोड़ी उपरोड़ा के नेतृत्व में तहसीलदार, नायब तहसीलदार, सहायक खाद्य अधिकारी, मंडी उपनिरीक्षक, राजस्व निरीक्षक एवं हल्का पटवारी की संयुक्त टीम द्वारा कसनिया एवं सुतर्रा क्षेत्र के कुल 7 राइस मिलों का भौतिक सत्यापन किया गया।

सत्यापन के दौरान श्रीराम राइस मिल, कसनिया के गोदाम में 3073 कट्टी (1229.20 क्विंटल) अतिरिक्त धान तथा 1500 क्विंटल अतिरिक्त चावल पाया गया, जिसके संबंध में मिल प्रबंधन द्वारा किसी प्रकार का वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। इस हेतु अतिरिक्त पाए गए धान को गोदाम में सील कर प्रोपाइटर के सुपुर्द रखा गया। इसी प्रकार कुशल राइस मिल, सुतर्रा में 749.44 क्विंटल धान की कमी दर्ज की गई। शेष 4 राइस मिलों मेंं सीएमआर शून्य प्रदर्शित था, किसी भी प्रकार की धान या चावल की कमी-बेशी नहीं पाई गई।संयुक्त दल द्वारा संपूर्ण कार्यवाही नियमानुसार संपादित की गई एवं प्रकरण संबंधित विभागों को अग्रेषित किया जा रहा है।

राज्यपाल श्री डेका से छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन, वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष श्री कावड़िया ने की भेंट

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज यहां लोकभवन में छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन, वित्त एवं विकास निगम, रायपुर के अध्यक्ष श्री लोकेश कावड़िया ने सौजन्य भेंट की। उन्होंने महावीर इंटरकान्टिनेंटल आर्गेनाइजेशन (मीसो) के सहयोग से श्रवण बाधितार्थ दिव्यांगजनों हेतु आयोजित स्वरोजगार मूलक कौशल उन्नयन शिविर में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने हेतु राज्यपाल को आमंत्रित किया। श्री कावड़िया ने बताया कि यह शिविर 19 से 23 दिसबंर 2025 तक जैनम मानस भवन रायपुर में आयोजन किया गया है, जिसमें दिव्यांगजनों के कौशल उन्नयन के लिए संचालित कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी।

गुरू घासीदास जयन्ती 18 दिसम्बर को मांस - मटन विक्रय पूर्ण रूप से प्रतिबंधित

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे के निर्देश पर नगर पालिक निगम रायपुर के सम्पूर्ण परिक्षेत्र में गुरू घासीदास जयन्ती दिनांक 18 दिसम्बर 2025 और संत तारण तरण जयन्ती दिनांक 19 दिसम्बर 2025 को मांस - मटन का विक्रय पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा।इस संबंध में छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आदेश के परिपालन में रायपुर नगर पालिक निगम के स्वास्थ्य विभाग की ओर से नगर पालिक निगम स्वास्थ्य विभाग ने गुरू घासीदास जयन्ती दिनांक 18 दिसम्बर 2025 और संत तारण तरण जयन्ती दिनांक 19 दिसम्बर 2025 को रायपुर नगर पालिक निगम के सम्पूर्ण परिक्षेत्र में स्थित पशुवध गृह एवं समस्त मांस - मटन विक्रय की दुकानों को बंद रखे जाने का आदेश जारी किया है। गुरू घासीदास जयन्ती दिनांक 18 दिसम्बर 2025 और संत तारण तरण जयन्ती दिनांक 19 दिसम्बर 2025 को नगर पालिक निगम रायपुर के जोन स्वास्थ्य अधिकारीगण, जोन स्वच्छता निरीक्षकगण मांस -मटन के विक्रय पर प्रतिबन्ध के आदेश का व्यवहारिक पालन सुनिश्चित करवाएंगे और इस हेतु अपने अपने सम्बंधित जोन क्षेत्रों में मांस -मटन की दुकानों का सतत निरन्तर पर्यवेक्षण करेंगे।रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे के निर्देश पर प्रतिबंध आदेश का व्यवहारिक पालन करवाने होटलों में उक्त पावन पर्व दिवसों पर मांस-मटन विक्रय करने पर जप्ती की कार्यवाही कर सम्बंधित व्यक्ति के विरूद्ध यथोचित कार्यवाही भी की जाएगी।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने अंबिकापुर में नए आपराधिक कानूनों पर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

रायपुर। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने अंबिकापुर में नए आपराधिक कानूनों पर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस प्रदर्शनी में नए कानूनी प्रावधानों, कानूनी प्रक्रियाओं तथा नागरिक हित में किए गए बदलावों को विस्तार से पेश किया गया है, जो न्याय-प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, स्पष्ट और तेज बनाने में सहायक होंगे।

मंत्री श्री अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि आधुनिक समाज की बदलती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए यह कदम काफी अहम है। न्याय का उद्देश्य केवल सजा देना नहीं बल्कि समाज में सुरक्षा और विश्वास का भाव जगाना भी है, उन्होंने कहा कि नई विधियाँ नागरिकों को उनके अधिकारों से अवगत कराते हुए, अपराध नियंत्रण और निवारण में पूरी तरह से मददगार साबित होंगी।प्रदर्शनी में विभिन्न आपराधिक मामलों से जुड़ी नई प्रक्रियाओं, न्यायालयों में सुनवाई की गति बढ़ाने के उपाय तथा कानून प्रवर्तन में सुधारों की व्यापक जानकारी दी गई है। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज में जागरूकता और सुरक्षा भावना को बढ़ावा देने वाला कदम बताया।यह प्रदर्शनी अगले सप्ताह तक आम जनता के लिए खुली रहेगी, जिससे सभी वर्ग के लोग नई कानूनी व्यवस्थाओं को समझ सकें और इसका लाभ ले सकें। आम जनता प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदेश में कानून व्यवस्था और न्याय व्यवस्था के नवोन्मेष की झलक पा सकती है, जिससे आने वाले समय में सामाजिक स्थिरता और सुरक्षा को एक नया आयाम मिलेगा।

क्रिसमस की तैयारियां मसीही समाज कर रहा जोरशोर से

रायपुर । प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मसीही समाज का सबसे बड़ा पर्व क्रिसमस (बड़ा दिन) 25 दिसंबर को जोरशोर से मनाया जाएगा। क्रिसमस पर्व के लिए शहर के गिरिजाघरों में जोरशोर से तैयारियां प्रारंभ हो गई है। सेंटपाल चर्च, होलीक्रास, टाटीबंध, सीओन चर्च राजातालाब, शंकर नगर, अमलीडीह सहित प्रदेश भर में गिरिजाघरों को रोशन करने के लिए तैयारियां चल रही है। ज्ञातव्य है कि 24 दिसंबर को ही प्रभू यीशु मसीह का जन्म येरूशलम के बेथलेहम शहर में रात 12बजे हुआ था। परंपरानुसार आधी दूनिया भारत सहित 24 दिसंबर को रात 12 बजे घंटे बजाकर प्रभू की जन्म की खुशियां मनाता है। इस अवसर पर रायपुर में गिरिजाघरों में विशेष प्रार्थना का आयोजन किया गया है। बाइबिल में उल्लेखित विशेष तथ्यों का योहन्नाओं के माध्यम से समस्त मसीहीजनों द्वारा पाठ किया जाएगा। इसके साथ ही प्रभू यीशु मसीह के भजन सामूहिक रूप से गाये जाएंगे।

बस्तर ओलम्पिक 2025 : अबूझमाड़ ओरछा की बेटियाँ संभाग स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में नारायणपुर का करेंगी प्रतिनिधित्व

जिला स्तर पर प्रथम स्थान जीतकर रबिना और टीम ने संभागीय मंच तक बनाई शानदार जगह

बस्तर ओलंपिक ने सुदूर क्षेत्रों की प्रतिभाओं को दिया बड़ा अवसर, खिलाड़ियों ने मुख्यमंत्री श्री साय के प्रति जताया आभार

रायपुर। बस्तर के सुदूर अंचलों में दबी पड़ी खेल प्रतिभाओं को एक मजबूत मंच देने के लक्ष्य के साथ मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा प्रारंभ किए गए बस्तर ओलंपिक ने अबूझमाड़ के युवाओं के जीवन में नई उमंग और नई दिशा जगाई है। 2024 में पहली बार आयोजित हुए इस महोत्सव की अभूतपूर्व सफलता के बाद, इस वर्ष पुनः भव्य रूप में बस्तर ओलंपिक 2025 का आयोजन किया जा रहा है। 11 से 13 दिसंबर तक जगदलपुर में होने वाली संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश भर की नजरें अबूझमाड़ओरछा की बेटियों पर टिकी हैं।

जिला स्तर पर प्रथम स्थान जीतकर रबिना और टीम ने संभागीय मंच तक बनाई शानदार जगह

जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रबिना पोटाई के नेतृत्व वाली नारायणपुर की जूनियर खो-खो टीम ने संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए क्वालिफाई किया है। ओरछा की शांत-पहाड़ी गलियों से निकलकर प्रदेश स्तर के मंच तक पहुंची यह टीम अब अपने जिले के लिए नए कीर्तिमान बनाने को तैयार है।

अबूझमाड़ ओरछा की रबिना पोटाई ने बताया कि बचपन से ही उसका मन खेल में लगता था। मेरे माता-पिता नहीं और हम लोग 4 भाई-बहन हैं वे हमेशा मेरा हौसला बढ़ाते हैं। पहले हमारे क्षेत्र में न तो अच्छे अभ्यास के साधन थे और न ही बड़े प्रतियोगिताओं का अनुभव मिल पाता था इसलिए हमारी प्रतिभा अक्सर दिख नहीं पाती थी। जब से बस्तर ओलंपिक शुरू हुआ है तब से हमें वह मंच मिला जिसकी हमें वर्षों से आवश्यकता थी। मैंने पिछले साल भी इसमें भाग लिया था और संभाग स्तर तक पहुँचकर दूसरा स्थान प्राप्त किया था। उस अनुभव ने मुझे और मजबूत किया। इस बार हमने और कड़ी मेहनत की है। हमारा एक ही लक्ष्य है कि नारायणपुर जिले को खो-खो में प्रथम स्थान दिलाना है। मैं चाहती हूँ कि मेरा गाँव, मेरा स्कूल और मेरा जिला मुझ पर और मेरे पुरे टीम के ऊपर गर्व महसूस करे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी का इस पहल के लिए मैं हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ। यह आयोजन हमें बड़े मंचों तक पहुँचने का मौका दे रहा है और हम सभी अपनी पूरी क्षमता दिखाएँगे।

रबिना के साथ खेलने वाली खिलाड़ी हैं सलोनी कोवाची, सुंदरी पोटाई, रोशनी कुमेटी, सनिता, सरीता मंडावी, शिवानी कचलाम, अंजु रावल, कविता पद्दा, ममता वड्डे, मनिषा पोटाई और सुनिता उसेंडी। इन खिलाड़ियों ने सीमित संसाधनों के बावजूद अनुशासन और निरंतर अभ्यास से जिला स्तर पर श्रेष्ठता साबित की है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा बस्तर ओलंपिक की शुरूआत ने सुदूर व घने जंगलों में रहने वाली पीढ़ियों के नजरिये में बदलाव लाया है। पहले जहां प्रतिभा नजरअंदाज होती थी वहाँ अब संरचित मंच और प्रतिस्पर्धा के अवसर उपलब्ध हैं। रबिना और उनकी टीम की यह उपलब्धि सिर्फखेल की जीत नहीं है यह सामाजिक बदलाव आत्मविश्वास और मेहनत की जीत भी है। जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रबिना पोटाई के नेतृत्व वाली नारायणपुर की जूनियर खो-खो टीम ने संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए क्वालिफाई किया है। ओरछा की शांत-पहाड़ी गलियों से निकलकर प्रदेश स्तर के मंच तक पहुंची यह टीम अब अपने जिले के लिए नए कीर्तिमान बनाने को तैयार है।

महालक्ष्मी वरदान दिवस में पूजा-अर्चना एवं भंडारे का आयोजन

रायपुर। अगहन मास की पूर्णिमा पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी छत्तीसगढ़ प्रांतीय युवा अग्रवाल मंच द्वारा महालक्ष्मी वरदान दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर मंच के संरक्षक कन्हैया अग्रवाल, अध्यक्ष नितेश अग्रवाल एवं महामंत्री पंकज अग्रवाल के नेतृत्व में विधि-विधान से मां महालक्ष्मी और भगवान अग्रसेन का पूजन-अर्चना किया गया।

पूजा उपरांत प्रसादी स्वरूप भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें समाजजन बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। अगहन मास पूर्णिमा का यह दिन अग्रवाल समाज के लिए विशेष महत्व रखता है। मान्यता है कि अगहन मास की पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी, महाराजा अग्रसेन जी की तपस्या से प्रसन्न होकर उन्हें अपना दत्तक पुत्र स्वीकारते हुए सदैव अग्र कुल में विराजमान रहने का वरदान प्रदान किया था। इसी उपलक्ष्य में अग्रवाल समाज देशभर में इस दिन को महालक्ष्मी वरदान दिवस के रूप में मनाता है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप श्री सीताराम अग्रवाल, विष्णु गोयल, राधेश्याम अग्रवाल, राजेश केडिया, निर्मल अग्रवाल ,सुरेश चौधरी , नारायण अग्रवाल, कमल गुप्ता श्रीमती प्रीति अग्रवाल, बबीता अग्रवाल , सुनीता पोद्दार, रेणु पोद्दार, अमिता सिंघानिया पूनम अग्रवाल, वंदना अग्रवाल,मानस अग्रवाल।

प्रतिबंधित काष्ठों का अवैध परिवहन पकड़ा गया, वन विभाग ने की जप्ती

रायपुर। वन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार प्रदेश में वन्य अपराधों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में दुर्ग जिले के धमधा एवं पाटन वनमंडल में विभागीय टीम द्वारा 04 दिसंबर 2025 को निर्धारित रोस्टर व रात्रि गश्त के दौरान प्रतिबंधित काष्ठों का अवैध परिवहन कर रहे 05 वाहनों को पकड़कर जब्त किया गया।

वन संरक्षण को मजबूत करने के लिए वनों की कटाई पर रोक, सघन वृक्षारोपण, अवैध व्यापार पर सख्ती, जन जागरूकता अभियान, स्थानीय समुदायों की भागीदारी और सख्त कानूनी ढाँचे (जैसे वन संरक्षण अधिनियम) का पालन जरूरी है । प्रतिबंधित काष्ठों का अवैध परिवहन करते पकड़े गए वाहनों पर वन अपराध क्रमांक 76/22, 76/23, 76/24, 76/25 एवं 53/24 दिनांक 05 दिसंबर 2025 को पंजीबद्ध किए गए हैं। इनमें से चार वाहन सीजी 04 जेसी 8048, सीजी 06 एम 0463, सीजी 07 सीए 1055 और सीजी 07 सी 7985 को जब्त कर पाटन डिपो में रखा गया है, जबकि सीजी 04 जेडी 7725 को कुम्हारी डिपो में सुरक्षित रखा

गया है। डीएफओ श्री दीपेश कपिल ने बताया कि नियमानुसार आरोपियों से मुआवजा अधिरोपित करते हुए प्रतिबंधित काष्ठों को राजसात करने की कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि वन संरक्षण को मजबूत करने के लिए विभाग द्वारा लगातार निरीक्षण, सघन गश्त और अवैध गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने स्टॉकहोम में स्वीडिश इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स में दिया

रायपुर। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त, श्री ज्ञानेश कुमार ने आज स्वीडन के स्टॉकहोम में स्वीडिश इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स में 'इनसाइड इंडिया'ज़ डेमोक्रेसी' (भारत के लोकतंत्र के भीतर) विषय पर एक गोलमेज चर्चा आयोजित की। इस गोलमेज में स्वीडन की पूर्व विदेश मंत्री, सुश्री एन लिंडे दूसरी वक्ता थीं। सीईसी ज्ञानेश कुमार ने कल वर्ष 2026 के लिए अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनावी सहायता संस्थान की सदस्य देशों की परिषद का अध्यक्ष पद संभाला था। वह आज बाद में स्वीडन का अपना आधिकारिक दौरा समाप्त करेंगे। भारत की अध्यक्षता एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो दुनिया के सबसे विश्वसनीय और नवीन चुनाव प्रबंधन निकायों में से एक के रूप में भारत निर्वाचन आयोग की वैश्विक पहचान को दर्शाती है। इंटरनेशनल आईडिया के संस्थापक सदस्य के रूप में, भारत ने संगठन के शासन, लोकतांत्रिक विमर्श और संस्थागत पहलों में लगातार योगदान दिया है। स्टॉकहोम पहुँचने पर, सीईसी ज्ञानेश कुमार का स्वागत स्वीडन में भारत के राजदूत, श्री अनुराग भूषण ने किया। उन्होंने आईडिया के महासचिव, डॉ. केविन कैसास-ज़मोरा के साथ भी चर्चा की।

स्वीडन के स्टॉकहोम में अपने स्वीकृति भाषण में, ष्टश्वष्ट कुमार ने भारत के लोकतांत्रिक अभ्यास के पैमाने पर प्रकाश डाला, यह बताते हुए कि भारत में 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों में 900 मिलियन से अधिक मतदाता हैं।

2024 के आम चुनावों पर विचार करते हुए, उन्होंने बताया कि भारत ने एक लुभावनी लोकतांत्रिक झाँकी देखी, जिसमें 6 राष्ट्रीय और 67 राज्य दलों सहित 743 राजनीतिक दलों के 20,000 से अधिक उम्मीदवारों ने भाग लिया। इस अभ्यास में 10 लाख से अधिक बूथ स्तर के अधिकारियों और 50 लाख मतदान कर्मियों सहित 20 मिलियन से अधिक चुनाव कर्मियों को शामिल किया गया था।

यह देखते हुए कि भारत ने 1947 में स्वतंत्रता के बाद से संसद के लिए 18 आम चुनाव और राज्य विधानसभाओं के लिए 400 से अधिक आम चुनाव देखे हैं, ष्टश्वष्ट ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे बड़े, सबसे विविध और समावेशी आधुनिक लोकतंत्र की सीख ही नहीं, बल्कि भारत की सभ्यतागत विरासत में गहराई से निहित लोकतांत्रिक मूल्यों और सिद्धांतों को भी सभी के साथ साझा करने की परिकल्पना करता है।

13 दिसम्बर को होगा नेशनल लोक अदालत का आयोजन

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर व अध्यक्ष श्री विजय कुमार होता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनांदगांव के निर्देशानुसार अध्यक्ष मोहनी कंवर तालुक विधिक सेवा समिति खैरागढ़ की अध्यक्षता में आज शुक्रवार को नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने हेतु, राजस्व, विभाग, अधिवक्ता गण, चोलामंडलम, श्रीराम फाइनेंस, नेशनल इंश्योरेंस, बैंक, नगर पालिका, बीएसएनएल, विद्युत विभाग के कर्मचारियों व प्रतिनिधियों के साथ बैठक का आयोजन व्यवहार न्यायालय खैरागढ़ में हुआ।

ज्ञात हो कि आगामी नेशनल लोक अदालत 13 दिसंबर 2025 को आयोजित होने वाला है उक्त नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण किए जाने के संबंध में तहसील विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष मोहनी कंवर द्वारा आज शुक्रवार को राजस्व, विभाग, अधिवक्तागण, चोलामंडलम,

श्रीराम फाइनेंस, नेशनल इंश्योरेंस,बैंक, नगर पालिका, बीएसएनएल, विद्युत विभाग के कर्मचारियों व प्रतिनिधियों के साथ मीटिंग आयोजित किया गया जिसमें सीजेएम निधि शर्मा, जेएमएफसी आकांक्षा खलखो, अंकित सिंह राजपूत छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक, उज्ज्वल कुमार,दीपक कुमार साहू आईडीबीआई बैंक, ओम प्रकाश, पंजाब नेशनल बैंक और सूर्यकांत देवांगन बैंक ऑफ महाराष्ट्र, बीरेंद्र कुमार एसबीआई,जे सी चंद्राकर विद्युत विभाग, कोमल ठाकुर, पियूष चंद्र यदु नगर पालिका, सी.आर. चूरेंद्र बीएसएनएल, रामकुमार जांगड़े, रविप्रताप सिंह श्रीराम फाइनेंस, चिरंजय जंघेल और पैरालीगल वालिंटियर गोलूदास साहू उपस्थित रहे।नगर पालिका, बीएसएनएल, विद्युत विभाग के कर्मचारियों व प्रतिनिधियों के द्वारा ज्यादा से ज्यादा प्रकरणों के निराकरण हेतु प्रयास किए जाने के लिए जोर दिया गया एवं बताया गया कि उनके द्वारा नेशनल लोक अदालत में प्री लिटिगेशन व पेंडिंग प्रकरण निराकरण हेतु पेश किया गया है।यहां उल्लेखनीय है कि आगामी नेशनल लोक अदालत में व्यवहार प्रकरण यथा संपत्ति संबंधी वाद, धन वसूली संबंधी वाद, बैंक एवं अन्य वित्तीय संस्थाओं से संबंधित मामले, राजीनामा योग्य दांडिक प्रकरण ,मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, परिवार न्यायालय में लंबित वैवाहिक एवं अन्य मामले, विशेष न्यायालय (विद्युत अधिनियम) में लंबित प्रकरण, अन्य राजस्व संबंधी समझौता योग्य मामले का निराकरण होता है।

घोटवानी में फिर दिखे दो विशाल अजगर, गांव में दहशत तेज – अब तक 8 सर्प रेस्क्यू

दुर्ग । जिले के धमधा क्षेत्र के घोटवानी गांव में बुधवार का दिन ग्रामीणों के लिए खौफ से भरा साबित हुआ, जब एक ही दिन में दो विशालकाय अजगर अलग-अलग जगहों पर दिखाई दिए। गांव के पास खेतों के किनारे सबसे पहले ग्रामीणों ने एक बड़े अजगर को रेंगते देखा और तुरंत वन विभाग तथा 112 टीम को सूचना दी। कुछ ही देर में पहुंची टीम ने सावधानी से उसे पकड़ लिया, लेकिन रेस्क्यू टीम वहां से निकल भी नहीं पाई थी कि पास के खलिहान में दूसरा अजगर दिखाई देने की खबर ने माहौल और भी तनावपूर्ण बना दिया। इस दौरान गांव के ही युवक वेदराज संतू वर्मा ने बिना घबराए स्थिति संभाली और रस्सी की मदद से अजगर को काबू में कर लिया, बाद में उसे वन विभाग की टीम के हवाले कर दिया गया।

घोटवानी गांव पिछले कुछ समय से अजगरों के लगातार दिखने के कारण चर्चा में है। चारों ओर फैले जंगल और झाड़ियों के कारण यह क्षेत्र सरीसृपों के लिए आसान आवागमन का मार्ग बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि हालिया घटनाओं सहित अब तक कुल आठ अजगर यहां से रेस्क्यू किए जा चुके हैं, जिससे गांव में दहशत का माहौल है और लोग अपने बच्चों व मवेशियों की सुरक्षा को लेकर बेहद चिंतित हैं। इसी वजह से ग्रामीणों ने वन विभाग से इस इलाके की गंभीरता से जांच करने, नियमित गश्त बढ़ाने और गांव के पास अस्थायी कैंप स्थापित करने की मांग की है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता मिल सके।

वन विभाग ने भी लोगों को चेतावनी दी है कि किसी भी जंगली जीव को खुद पकड़ने की कोशिश न करें और किसी भी अप्रत्याशित स्थिति में तुरंत 112 या दुर्ग वन विभाग को सूचित करें, ताकि सुरक्षित और पेशेवर तरीके से रेस्क्यू किया जा सके।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। **संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।**
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily **कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल** (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)